फाल्गुन कृष्ण पक्ष, 22 वर्ष, अंक 26, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 21 फरवरी 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

'भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति'

सबका साथ सबका विकास के नारे को साकार कर रही योगी सरकार : आनंदी बेन पटेल, विपक्षी दलों के हंगामे के बीच राज्यपाल का एक घंटा एक मिनट का हुआ अभिभाषण

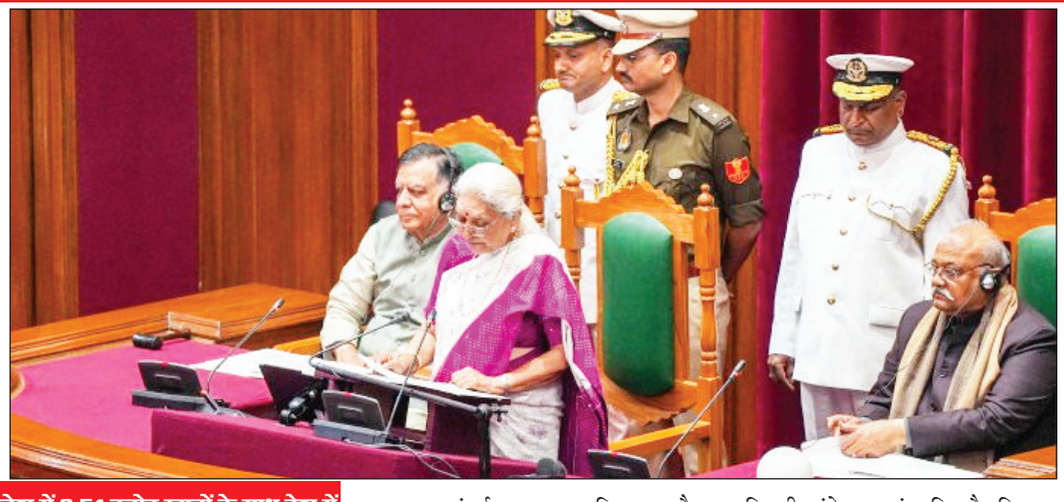

लखनऊः उत्तर प्रदेश विधान सभा का बजट सत्र सोमवार से आरम्भ हो गया। विधान सभा की बैठक शुरू होने से पहले राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने विधान मण्डल के दोनों सदनों विधान सभा और विधान परिषद को संयुक्त रूप से संबोधित किया। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने अपने अभिभाषण में योगी सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि योगी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के नारे को साकार कर रही है। राज्यपाल ने एक घंटा एक मिनट के अपने अभिभाषण में हर क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। दूसरी तरफ विपक्षी दल सदन में हंगामा करते रहे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीतिः राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि मेरी सरकार जन आकांक्षाओं की पूर्ति सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के लक्ष्य को सामने रखते हुए सभी वर्गों की उन्नति, कल्याण एवं सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित है। सुशासन, सुरक्षा एवं विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपराध एवं भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ शांति एवं सद्भाव का वातावरण सुनिश्चित किया जा रहा है। समाज के सभी वर्गों के हित तथा राज्य के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाएं एवं कल्याणकारी कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं संयुक्त सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेरी सरकार जन समस्याओं के समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण समाधान के लिए संवेदनशील है। इस उद्देश्य से तहसील स्तर पर संपूर्ण ह्यसमाधान दिवसह्ण और थाना स्तर पर आयोजित किए जा रहे ह्यथाना दिवसह्ण में शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। आईजीआरएस प्रणाली व सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त लगभग 3.97 करोड़ मामलों में से 3.93 करोड़ से अधिक का समयबद्ध निस्तारण कराया गया है।

जी-20 का नेतृत्व करना सौभाग्यपूर्णः राज्यपाल ने कहा कि अमृत काल के प्रथम वर्ष में भारत द्वारा एक दिसम्बर, 2022 से 30 नवम्बर, 2023 तक जी-20 की अध्यक्षता किया जाना सौभाग्य पूर्ण व अभूतपूर्व अवसर है। इसके तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में होने वाली 200 से अधिक बैठकों में से 11 बैठक का आयोजन उत्तर प्रदेश के चार जनपदों लखनऊ, आगरा, वाराणसी एवं गौतमबुद्ध नगर में किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के लिए जी-20 सम्मेलन की बैठकों की मेजबानी प्रदेश के विकास बुनियादी ढांचे तथा संस्कृति और विरासत को वैश्विक समुदाय के सम्मुख प्रदर्शित करने का एक वृहद एवं व्यापक अवसर होगा। उन्होंने कहा कि भारत के विकास का इंजन उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। प्रदेश राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 08 प्रतिशत से अधिक का योगदान करता है। प्रधानमंत्री द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर बनाए जाने का संकल्प लिया गया है। इसको देखते हुए वर्ष 2022 से 2027 की अवधि में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में मेरी सरकार प्रयास कर रही है। राज्यपाल ने कहा कि सरकार में बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान के तहत 600 से अधिक सुधार लागू किए हैं। सिंगल विंडो पोर्टल निवेश मित्र के माध्यम से उद्यमियों को 400 से अधिक ऑनलाइन सेवाएं दी जा रही हैं। निवेशकों के सहायतार्थ एमओयू पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन निवेशक प्रबंधन पोर्टल निवेश सारथी विकसित किया गया है। इज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश अचीवर श्रेणी में है। राजपाल ने कहा कि मेरी सरकार के प्रभावी प्रयासों के परिणामस्वरूप आज उत्तर प्रदेश केंद्र सरकार की संचालित अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन में देश में अग्रणी स्थान पर है।

- **प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत प्रदेश में 8.51 करोड़ खातों के साथ देश में प्रथम स्थान पर है।**
- **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 4.23 करोड़ नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है।**
- **अटल पेंशन योजना के तहत 75 लाख नामांकन के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है।**
- **प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत शहरी पथ विक्रेताओं को 10 हजार, 20 हजार एवं 50 हजार क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय ब्याज अनुदान आधारित ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना के तहत कुल ऋण वितरण में प्रदेश को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।**
- **प्रदेश में निर्गत जीएसटी पंजीयन की कुल संख्या 28.03 लाख हो गई है। यह देश में सर्वाधिक है।**
- **मनरेगा योजना के तहत वर्ष 2022-23 में प्रदेश में अब तक 26.29 करोड़ मानव दिवस सृजित कर प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।**

अभिभाषण सरकार की विफलताओं पर पर्दा डालने वाला: मायावती

लखनऊः बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि यूपी में बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल द्वारा दिया गया भाषण राज्य सरकार की विफलताओं पर पर्दा डालने का एक निरर्थक प्रयास है। उन्होंने उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा कि यह अभिभाषण लोगों को त्रस्त करती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ेपन व अशांत माहौल आदि के खास मामलों में सरकार द्वारा विफलताओं पर पर्दा डालने की का निरर्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि यूपी में सत्ता भोगी तत्वों को छोड़कर सरकारी दावों के विपरीत आज हर वर्ग सरकार की नीतियों से पीड़ित और दुखी है। लोगों को उनका हक व इंसाफ नहीं मिल पाना सरकार की सबसे बड़ी विफलता है। सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

जो लोग इन्वेस्टर समिट में लगाए पौधे नहीं बचा सके वह इन्वेस्टमेंट कहां से लाएंगे: अखिलेश यादव

लखनऊः विधानमण्डल के बजट सत्र में शामिल होने से पूर्व विधानसभा में पत्रकारों को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी झूठी सरकार है। जो लोग इन्वेस्टर समिट में लगाए पौधे को नहीं बचा पा रहे हैं वह इन्वेस्टमेंट कहां से लाएंगे। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार नौकरी में भेदभाव कर रही, सभी संस्थाओं को सरकार बर्बाद कर रही है। कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा ही जातिगत जनगणना की बात करती आई है। मुख्यमंत्री दूसरे प्रदेश से आए हैं इसलिए उनको जातिगत जनगणना और यहां के बारे में पता नहीं है। सरकार को जातीय जनगणना करानी चाहिए। इस सरकार ने गांव-गरीब को लूट लिया है। किसान, नौजवान सभी इस सरकार में परेशान है। किसानों को बीजेपी सरकार ने धोखा दिया है। यूपी में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। बीजेपी सरकार हर मुद्दे पर फेल है। अखिलेश यादव ने रामचरितमानस को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य के सवाल पर कहा कि इसका जवाब सदन में देंगे। इस दौरान सपा अध्यक्ष के साथ प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, राजेन्द्र चौधरी के साथ पार्टी के विधायक मौजूद थे।

उपेंद्र कुशवाहा ने जदयू से दिया इस्तीफा

पटनाः जनता दल यूनाइटेड (जदयू) संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष और विधानपरिषद सदस्य उपेंद्र कुशवाहा ने सोमवार को यहां पटना में प्रेसवार्ता के बाद जदयू के सभी पदों से अपना इस्तीफा देते हुए नई पार्टी का एलान कर दिया। उपेंद्र कुशवाहा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि नई पार्टी 'राष्ट्रीय लोक जनता दल' बनाने जा रहे हैं। कुशवाहा ने कहा कि बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को राज्य चलाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। जॉर्ज फर्नांडिस के कारण नीतीश कुमार पार्टी के मुखिया बने थे। उस समय बिहार की जनता तबाह थी। बिहार की जनता को उस हालात से निकालने के लिए हमने 10-12 साल तक संघर्ष किया। बिहार को खौफनाक मंजर से निकालने में पूरी ताकत लगा दी।

कुशवाहा ने नीतीश कुमार की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि उस समय नीतीश कुमार ने बहुत अच्छा काम किया था, लेकिन अंत भला तो सब भला होता है। बाद में अंत भला नहीं हुआ। कुछ को छोड़कर जदयू में हर कोई चिंता व्यक्त कर रहा था। निर्वाचित सहयोगियों के साथ बैठक हुई और निर्णय लिया गया है। नीतीश कुमार ने शुरूआत में अच्छा किया लेकिन अंत में जिस रास्ते पर उन्होंने चलना शुरू किया है, वह उनके और बिहार के लिए बुरा है। कुशवाहा ने कहा कि विपक्षी पार्टियों में एकता नहीं है और ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए 2024 में जीतना आसान होगा। शुरूआती दौर में लालू जी ने भी जनता का ख्याल रखा, लेकिन बाद के दिनों में उनमें भटकाव आया।

उन्होंने कहा कि वह आज अपने दम पर कार्रवाई करने में असमर्थ हैं क्योंकि उन्होंने कभी उत्तराधिकारी बनाने का प्रयास नहीं किया। अगर नीतीश कुमार ने उत्तराधिकारी चुना होता तो उन्हें इधर-उधर देखने की जरूरत नहीं होती। नीतीश कुमार 2-4 लोगों के कहने पर फैसले लेते हैं।

ईडी की कार्रवाई भाजपा की साजिशः भूपेश

रायपुरः मुख्यमंत्री भूपेश ने सोमवार को ट्वीट कर कांग्रेस नेताओं के यहां ईडी के छापेमारी को भाजपा की साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष, पार्टी के पूर्व उपाध्यक्ष और एक विधायक सहित मेरे कई साथियों के घरों पर आज ईडी ने छापा मारा है। चार दिनों के बाद रायपुर में कांग्रेस का महाधिवेशन है। तैयारियों में लगे साथियों को इस तरह रोककर हमारे हौसले नहीं तोड़े जा सकते हैं। 'भारत जोड़ो यात्रा' की सफलता से और अडानी की सच्चाई खुलने से भाजपा हताश है।

ठाकरे नाम कोई नहीं छीन सकता: उद्धव

नई दिल्लीः शिवसेना नाम और तीर-कमान सिंबल मिलने के बाद अब शिंदे गुट ने महाराष्ट्र असेंबली में बने शिवसेना के ऑफिस पर दावा ठोका है। शिंदे गुट के विधायकों ने ऑफिस को अपने अधिकार में ले लिया। इस पर उद्धव ठाकरे ने कहा- हमारी पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह छिन गया है, लेकिन ठाकरे नाम कोई नहीं छीन सकता। चुनाव आयोग को भंग कर देना चाहिए। उद्धव ने कहा- चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ हमने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। महाराष्ट्र में जो कुछ चल रहा है अगर उसे नहीं रोका गया तो 2024 का लोकसभा चुनाव देश का आखिरी चुनाव हो सकता है। इसके बाद यहां तानाशाही चलेगी। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शिवसेना का नाम-निशान शिंदे गुट को देने के खिलाफ उद्धव गुट की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कल फिर से याचिका दाखिल करने को कहा है।

उद्धव ठाकरे ने मुंबई के शिवसेना भवन में अपने विधायकों की बैठक बुलाई। जहां उनके समर्थकों ने शिंदे गुट और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की।

शिंदे गुट के विधायक बोले- सेना भवन पर दावेदारी नहीं: मुंबई के शिवसेना भवन में उद्धव गुट की मीटिंग से पहले शिंदे गुट के नेता सदा सर्वंकर ने कहा कि हम किसी प्रॉपर्टी पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। न सिर्फ सेना भवन, बल्कि हमारे लिए पार्टी की हर शाखा एक मंदिर है।

सुप्रीम कोर्ट में ठाकरे गुट ने पार्टी संविधान का हवाला दिया: उद्धव गुट की याचिका में कहा गया कि चुनाव आयोग ने विवाद के निपटारे का आधार पार्टी के 1999 के संविधान को बनाया। जबकि 2018 में पार्टी के संविधान में संशोधन किया गया था। 2018 के संविधान के तहत शिवसेना अध्यक्ष पार्टी में सर्वोच्च होंगे। पार्टी से किसी को निकालने, बैठक करने या पार्टी में किसी को भी शामिल करने का आखिरी फैसला पार्टी अध्यक्ष का ही होगा। 1999 के पार्टी संविधान के मुताबिक पार्टी प्रमुख के पास इस तरह की कोई पावर नहीं थी। उद्धव गुट ने कहा कि चुनाव आयोग ने 2018 के संविधान को रिकॉर्ड पर रखने का समय नहीं दिया।

पटना में पार्किंग विवाद में 3 की मौत, हिंसा

पटनाः पटना के फतुहा के जेठुली गांव में पार्किंग विवाद की फायरिंग में अब तक तीन लोगों की मौत हो गई है। इसके विरोध में दूसरे दिन सोमवार सुबह से दोपहर तक फिर उपद्रव हुआ। सुबह-सुबह मुख्य आरोपी बच्चा राय के भाई उमेश राय के घर, गोदाम और मैरिज हॉल में पीड़ित गुट ने आग लगा दी। दोपहर साढ़े बारह बजे अंतिम संस्कार कर-के लौट रही भीड़ ने पुलिस पर फिर पथराव कर दिया। पुलिस ने चार राउंड हवाई फायरिंग की। आरोपी के घर पीड़ित परिवार धरने पर बैठ गया है। इलाके में तनाव बना हुआ है। 300 से ज्यादा जवान तैनात हैं।

रविवार को दो गुटों- बच्चा राय और चनारिक राय, में झड़प के दौरान राइफल, देसी कट्टा और 9 के पिस्टल से 50 राउंड फायरिंग हुई थी। गोली लगने से चनारिक गुट के दो लोगों की मौत हो गई थी। चनारिक राय समेत तीन लोग बुरी तरह से घायल हो गए थे। सोमवार करीब तीन बजे घायल मुनारिक राय की भी मौत हो गई। बाकी दो लोगों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

यहां से शुरू हुआ विवादः बच्चा राय और चनारिक राय के बीच विवाद जिम की छह कट्ठे जमीन को लेकर चल रहा था। जमीन सड़क के किनारे है। कीमत करीब 3 करोड़ है। जमीन पर दोनों गुट दावा जता रहा है। फिलहाल इस पर बच्चा का कब्जा है।

रविवार को बच्चा राय ने जिम के पास गिट्टी गिराई थी। दोपहर करीब डेढ़ बजे चनारिक वहां पहुंचा और गाड़ी पार्क करने लगा। यहां बच्चा और चनारिक में बहस और हाथापाई हुई। थोड़ी ही देर में बच्चा के समर्थक हथियार के साथ पहुंचे और फायरिंग करने लगे। इसमें चनारिक समेत 5 लोगों को गोली लगी।

हरियाणा: विधानसभा में छेड़छाड़ के आरोपी मंत्री पर हंगामा

चंडीगढ़ः हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन मंत्री संदीप सिंह पर जमकर हंगामा हुआ। गवर्नर का अभिभाषण खत्म होते ही विपक्ष ने संदीप सिंह का इस्तीफा मांगना शुरू कर दिया। मंत्री पर जूनियर महिला कोच से छेड़छाड़ का आरोप लगा है। विपक्षियों का हंगामा देख सीएम मनोहर लाल सीट से खड़े हुए। उन्होंने कहा कि अभी इसकी जांच चल रही है। वह विपक्ष के कहने पर इस्तीफा नहीं लेंगे। इसके बावजूद विपक्षी विधायकों का हंगामा जारी रहा।

स्पीकर बोले- एसआईटी कर रही जांचः इसे देखते हुए स्पीकर सीट से उठे और कहा कि इस मामले में एसआईटी जांच कर रही है। बिना जांच पूरी हुए किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने कांग्रेसी विधायकों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि जब तक आरोप साबित नहीं हो जाते तब तक इस्तीफा नहीं लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सत्ता में हों या विपक्ष में, सभी नेताओं के खिलाफ ऐसी शिकायतें हैं, तो क्या सभी को बर्खास्त कर दिया जाए।

हुड्डा-मनोहर हुए आमने-सामनेः पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि सीएम मनोहर लाल को इस्तीफा लेना चाहिए।

बाल विवाह एक अपराध, खत्म करेंगे: ईरानी

नई दिल्लीः बाल विवाह एक अपराध है और हमें इसे पूरी तरह से खत्म करना होगा। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हम इसे मौजूदा 23 प्रतिशत से शून्य प्रतिशत पर ले आएं। हम बाल विवाह को इतिहास बनाएंगे। सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है। यह बातें केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने सोमवार को कॉन्सिटीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में कहीं। नई दिल्ली स्थित कॉन्सिटीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन की ओर से नेशनल कंसल्टेशन ऑन चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रही। जबकि नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का उद्घाटन बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने वाली बच्चियों ने दीप जलाकर किया। इन बच्चियों ने न केवल खुद का बल्कि दूसरों का भी बाल विवाह रुकवाया है। इस पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने खुशी जताते हुए कहा कि एक केंद्रीय मंत्री और एक नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित व्यक्ति के मंच पर होने के बाद भी इन बच्चियों से उद्घाटन करवाना दशार्ता है कि कैलाश सत्यार्थी बच्चों के प्रति कितने गंभीर हैं। ईरानी ने बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में कैलाश सत्यार्थी के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि वह जमीनी स्तर पर काम करने वाले व्यक्ति हैं। कोविड19 के दौरान अनाथ बच्चों के लिए कैलाश सत्यार्थी ने सरकार के साथ मिलकर काम किया। जब सरकार ऐसे बच्चों की तलाश कर उनके पुनर्वास का प्रयास कर रही थी तब कैलाश सत्यार्थी ने ऐसे बहुत सारे बच्चों को खोज निकाला। आगे ईरानी ने कहा कि बाल विवाह रोकने के लिए कानून अपना काम कर रहा है लेकिन लोगों को इसके लिए सरकार के साथ आना होगा। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में पुरुषों को भी साथ लाना होगा। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा, ह्यभारत से बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार, सभी स्वयंसेवी संगठनों और लोगों को एकजुट होकर काम करना होगा।

सीबीआई ने सिसोदिया को फिर किया तलब

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी घोटाले की जांच कर रही सीबीआई ने अब दिल्ली के उपमुख्यमंत्री व मामले में पहले आरोपित मनीष सिसोदिया को फिर नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए 26 फरवरी को बुलाया है। सीबीआई ने सिसोदिया को 19 फरवरी को पूछताछ के लिए बुलाया था लेकिन मनीष सिसोदिया ने बजट बनाने का हवाला देकर समय मांगा था। सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को एक हफ्ते का समय दिया है। वहीं, सोमवार को इसकी पुष्टि खुद सिसोदिया ने प्रेस वार्ता के दौरान की। उन्होंने कहा कि आज सीबीआई ने उन्हें दोबारा नोटिस दिया है। सिसोदिया का कहना है कि उनके खिलाफ केंद्र सरकार ने सीबीआई और ईडी की पूरी ताकत झोक दी है। घर पर रेड, बैंक लॉकर तलाशी, कहीं मेरे खिलाफ कुछ नहीं मिला। दिल्ली के बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा का इंतजाम किया है, ये उसे रोकना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने कहा है कि उन्होंने जांच में हमेशा सहयोग किया है ।

खबर संक्षेप

आमने-सामने दो बाइकों में टक्कर से तीन घायल, दो की हालत गंभीर

मऊआइमा। आमने सामने दो बाइकों की भीषण टक्कर में तीन घायल हुए है।दो युवकों की हालत गंभीर हो ने पर दोनो युवकों को एस आर एन में भर्ती कराया गया है।दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है।घटना मऊआइमा के हरक पुर चौराहे का है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम हरखपुर चौराहे पर सोमवार को दोपहर में दो बाइकों के बीच भीषण टक्कर हो जाने से सोरांव के ग्राम रैया निवासी सचिन कुमार सरोज 18 वर्ष पुत्र लाल जी सरोज तथा सचिन की माता कमला देवी को चोटें आयी हैं। तथा सचिन की माता कमला देवी 38 वर्ष को मामूली चोटें आयी है। जबकि एक अन्य बाइक चालक मनीष कुमार गौतम 32 वर्ष पुत्र मक्खन लाल निवासी चकवड गोशाई का पुरवा थाना बाघराय प्रतापगढ़ की हालत नाजुक बनी हुई है। बताया गया है कि सचिन सरोज और मनीष कुमार की हालत नाजुक होने पर एस आर एन में भर्ती कराया गया है। जबकि सचिन की माता कमला देवी को सोरांव सीएचसी ने उपचार के बाद घर भेज दिया है। समाचार लिखे जाने तक सचिन 18 और एक अन्य बाइक चालक मनीष कुमार की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई थी।

चोरी की 21 मोटरसाइकिल संग 7 अंतरराज्जीय चोर गिरफ्तार

नैनी पुलिस ने पुराने यमुनापुल के नीचे से सरगना समेंत सात को किया गिरफ्तार, 19 से 22 साल के युवक थे अपने खर्चे के लिए चोरी करते थे

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली की पुलिस टीम ने सोमवार को पुराने यमुनापुल के नीचे से ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में बाइक चोरी करने वाले लिफ्टर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। नैनी पुलिस ने यमुना पुल के नीचे से सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरोह द्वारा शादी घर, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड के आसपास से मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देने एवं चोरी की गाड़ियों को बेचने का काम किया जाता रहा है। चोरी का खुलासा करते हुए डीसीपी यमुनानगर संतोष कुमार मीणा ने बताया कि गैंग सरगना प्रियम उर्फ रचित श्रीवास्तव द्वारा गैंग के सहयोग से पिछले कुछ समय से भीड़भाड़ वाले क्षेत्र, शादी घर, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड के आसपास खड़ी मोटर साइकिल को चोरी करने एवं गाड़ियों के पुर्जों में हेर फेर कर उसके चेचिस नंबर को मिटाकर कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में बेचने का काम करते थे, और इस कार्य में प्राप्त धन को रचित श्रीवास्तव द्वारा सभी लोगों के बीच वितरित कर दिया जाता था। उन्होंने आगे बताया कि यह सभी एक गैंग से संबंधित है। वाहनों को कम दामों पर ऐसे ग्रामीणों को बेच दिया करते थे जिनको सस्ते गाड़ियों की जरूरत हुआ करती थी। अभी तो इन लोगो ने कई मोटरसाइकल को इसी प्रकार से बेचा है । इनकी निशानदेही पर अभी तक 21 और गाड़ियां बरामद की गई हैं तथा यह पता लगाया जा रहा है कि इनके गैंग के और कोई सदस्य है या नहीं एवं इनके द्वारा और कितनी गाड़ियों की चोरी की गई है, एवं यह गाड़ियां कहां बेची गई है इसका भी पता लगाया जा रहा है। गैंग में सरगना प्रियम उर्फ रचित श्रीवास्तव निवासी बरगढ़ जनपद चित्रकूट हाल पता मछली गेट शक्ति नगर चाका थाना नैनी, राजू हरिजन निवासी छोटा चाका थाना नैनी, राजकुमार उर्फ रिंकू निवासी महेवा खान चौराहा थाना नैनी, अरबाज अहमद निवासी घूरपुर खास थाना घूरपुर, मलखान सिंह निवासी थाना घूरपुर, मोहम्मद कैफ उर्फ छोटू निवासी महेवा नई बस्ती थाना नैनी, संजय कुमार निवासी घूरपुर खास थाना घूरपुर शामिल थे। गिरफ्तार करने वाली टीम में स्पेक्टर नैनी बृजेश कुमार सिंह इंस्पेक्टर नैनी अपराध मोहम्मद अली चौकी प्रभारी जेल रोड सुमित कुमार त्रिपाठी चौकी प्रभारी मामा भांजा संतोष सिंह चौकी प्रभारी एग्रीकल्चर विपिन कुमार चौकी प्रभारी गंगोत्री नगर उपेंद्र कुमार चौकी प्रभारी छिवकी संदीप यादव एसआई अमित सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

एचडीएफसी बैंक शाखा मऊआइमा का सांसद संगम लाल गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

एस डी एम सोरांव डाक्टर कंचन ने एटीएम एंव केबिन का उदघाटन किया

मऊआइमा। मऊआइमा के सुलतान पुर खास फोरलेन निकट एच डी एफ सी बैंक की शाखा मऊआइमा का मुख्य अतिथि के रूप में आये प्रतापगढ़ सांसद संगमलाल ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किए।तथा एस डी एम सोरांव डाक्टर कंचन ने एटीएम, केबिन का उद्घाटन किया। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सुलतानपुर खास फोरलेन के निकट सोमवार को एच डी एफ सी बैंक की शाखा मऊआइमा का मुख्य अतिथि के रूप में प्रतापगढ़ के सांसद संगम लाल गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किए। और एटीएम तथा केबिन का एस डी एम डाक्टर कंचन ने किया उदघाटन इस अवसर पर अखिलेश शुक्ला क्लस्टर हेड, बृजेश गुप्ता गोरमेंट मैनेजर रिलेशन तथा मऊआइमा शाखा प्रबंधक संतोष कुमार गुप्ता , शहनवाज अहमद शाखा प्रबंधक सोरांव ,आशीष सिंह शाखा प्रबंधक गददोपुर ,राहुल तिवारी शाखा प्रबंधक नया कटरा आदि के अलावा क्षेत्र गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

फूलपुर के संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे डीएम

अखंड भारत संदेश

मौके पर आए कुल आए 192 प्रार्थना पत्र

फूलपुर। फूलपुर तहसील सभागार में सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम प्रयागराज संजय कुमार खत्री दोपहर में पहुंचे तो फरियादियों की भीड़ जमा हो गई। 2 घंटे तक फरियादियों से रूबरू रहे डीएम ने गंभीरता पूर्वक शिकायतों को सुना और अधीनस्थों को निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। इस बीच जमीनी मामलात में कई आर आई व लेखपालो को निस्तारण में ढिलाई बरतने पर कर्रा किया। जिसमें सिकंदरा बहरिया क्षेत्र के कई आर आई लेखपाल थे। फूलपुर के अनिल सोनी द्वारा बार-बार एक ही प्रकरण पर दरखास्त देने पर उन्हें नसीहत दी। लेखपाल दिव्या आर आई रमेश चंद लेखपाल हेतापट्टी को कर्रा किया। पीडी अशोक कुमार मौर्य से बीडीओ फूलपुर के खिलाफ शिकायतों के प्रति मामले को तत्काल संज्ञान में लेने को कहा। एक आवासीय मामले में तत्काल रिपोर्ट भी मांगी। इस मौके पर कुल 192 प्रार्थना पत्र आए। डीसीपी गंगानगर अभिषेक अग्रवाल ने भी शिकायतें सुनी और संबंधित थानेदारों को निर्देशित किया। मौके पर एसडीएम फूलपुर, सीएमओ आशु पांडेय, जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया, परियोजना निदेशक अशोक कुमार मौर्य, डीपीआरओ अशोक सिंह, जि०स० कल्याण अधिकारी अखिलेश कुमार, सेवायोजन अधिकारी चंद्रकांत सिंह, सहायक निदेशक मत्स्य इरफान उल्ला खान, ए ई लोक निर्माण ज्योति प्रकाश, आपूर्ति निरीक्षक अमित चौधरी, ई०ओ० दिव्या सिंह, नायब तहसीलदार रेनू वर्मा, बीडीओ फूलपुर, सहसो बहरिया, अधीक्षक सीएचसी फूलपुर सुनील पांडेय, नायब तहसीलदार धनंजय यादव के अलावा सभी थाने के प्रभारी मौजूद रहे।

सेहुंडा में अखंड मानस पाठ व विशाल भंडारे का आयोजन सम्पन्न

बारा। थाना क्षेत्र के गाँव सेहुंडा में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर अखण्ड मानस पाठ का आयोजन किया गया।प्राचीन शिव मंदिर में नर्मदेश्वर महादेव का पूजन अर्चन कर आचार्य महेश प्रसाद त्रिपाठी द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार कर पूजन-अर्चन कर श्री रामचरित मानस पाठ का शुभारंभ किया गया।ग्रामीणों के सहयोग से प्रतिवर्ष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किया जाता है।मन्दिर में अगल बगल के गाँवों के लोगों द्वारा भूतभावन भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजन किया गया।मान्यता है कि भोलेनाथ का श्रद्धा के साथ पूजन-अर्चन करने से मनोकामना पूर्ण हो जाती है।प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी विकास श्रीवास्तव, राहुल पाल,जितेन्द्र पाल शोभित त्रिपाठी, अखिल त्रिपाठी, जीतू श्रीवास्तव, हिमांशु पाल,शोलू श्रीवास्तव, सचिन पाल, रामअभिलाष यादव, मोहनलाल यादव, लालमणि आदिवासी, धीरू केसरवानी सहित अन्य कई लोगों का अतुलनीय सहयोग प्राप्त होता रहा है।अखण्ड रामायण की समाप्ति के पश्चात हवन-पूजन के साथ साथ विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया।जिसमें क्षेत्रीय लोगों से समयानुसार पहुंचकर तन,मन,धन से सहयोग कर महाप्रसाद ग्रहण करने की अपील की गई थी। भंडारे की शुरूआत सायं चार बजे से लेकर रात दस बजे तक अनवरत चलता रहा, जिसमें गाँव के लोगों के अतिरिक्त अगल-बगल के गांवों के लोगों ने भी महाप्रसाद ग्रहण किया।

काश्मीर पुलिस ने तीन खूंखार अपराधियों को लाया नैनी जेल

अखंड भारत संदेश

पहले भी दो दर्जन से अधिक लोगो को पीसीए के तहत जेल में कराया गया है दाखिल, बंदी रक्षकों की कड़ी निगरानी में तीनों को हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया

नैनी। सेंट्रल जेल में काश्मीर में तीन खूंखार अपराधियो को गुपचुप तरीके से दाखिल कराया गया है। तीनो को जे एंड के पुलिस की बस में भारी सुरक्षा के बीच देर रात लाया गया। इससे पहले भी लगभग दो दर्जन खूंखार अपराधियों को नैनी जेल में दाखिल कराया जा चुका है। तीनो को बंदी रक्षकों की कड़ी निगरानी में हाईसिक्योरिटी बैरक में रखा गया है। जम्मू कश्मीर पुलिस की बस से भारी सुरक्षा के बीच 17 फरवरी की देर तीन खूंखार अपराधियों को सेंट्रेल जेल नैनी में दाखिल कराया गया। राग के अंधेरे के गुपचुप तरीके से सभी को जे एंड के पुलिस ने भारी सुरक्षा के बीच प्रयागराज के नैनी सेंट्रल जेल लाया। तीनो को दाखिल करने के बाद देर रात ही टीम काश्मीर रवाना हो गई। इससे पहले भी लगभग दो दर्जन खूंखार अपराधियो को नैनी जेल भेजा जा चुका है। सभी को काश्मीर में संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने व उपद्रव करने के लिए पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत यहां भेजा गया है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक शशिकांत सिंह ने बताया कि काश्मीर पुलिस ने पीसीए के तहत तीन लोगों को यहां दाखिल कराया हैं। सभी को हाईसिक्योरिटी बैरक में रखा गया है।

बेघर महिलाओं ने बीडीओ से मिल मांगा आवास का लाभ

शंकरगढ़। विकास खंड शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत अकौरिया की महिलाओं ने सोमवार को खंड विकास अधिकारी से मुलाकात की और खुद के बेघर होने की जानकारी देते हुए सरकारी आवास का लाभ दिलाने की मांग की। महिलाओं के आवेदन पर बीडीओ शंकरगढ़ ने उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है। ग्राम पंचायत अकौरिया की रहने वाली सुशीला देवी, परोसीलाल, संदीप, पुष्पा देवी, अवधराज, भौंदल, फोटो देवी, रामस्वरूप, रिंकू आदि ने खंड विकास अधिकारी शंकरगढ़ को प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि उनके पास रहने के लिए घर नहीं है। इसके लिए उन लोगों ने स्थानीय प्रधान व सचिव से कई बार संपर्क किया, लेकिन उन्हे आज तक आवासीय सुविधा का लाभ नहीं मिल सका। बीडीओ से मिलने वाली महिलाओं व पुरुषों का कहना है कि उन्हे पेयजल योजना का भी लाभ नहीं मिल पा रहा है। आवासीय योजना के लिए जब-जब उन लोगों ने आवेदन किया, उनका नाम ही काट दिया जाता है। इस पर बीडीओ ने मामले की जांच करवाने और उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

भीख मांगे जो अदाकारी से,बच के रहना तुम उस भिखारी से...

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। यमुना नगर के कौंधियारा क्षेत्र तमसा के तट स्थित प्राचीन पाटलेश्वर महादेव तीर्थ में आयोजित कवि सम्मेलन में मंच पर पहुंचे कवियों ने श्रोताओं को अपनी कविताओं द्वारा खूब गुदगुदाया। अध्यक्षता वरिष्ठ कवि लालजी देहाती ने की। आकाशवाणी दूरदर्शन से जुड़े चर्चित हास्य कवि अशोक बेशरम ने संचालन के दौरान खूब समा बांधी। उन्होंने कहा- भीख मांगे जो अदाकारी से,बच के रहना तुम उस भिखारी से,आंख में गर बसा सोने का हिरण,फिर तो धोखा है ब्रह्मचारी से। जितेंद्र जलज द्वारा प्रस्तुत पंक्तियां-चंदन है पानी है और क्या,दुनिया कहानी है और क्या भी खूब सराही गई। डॉ आभि मधुर द्वारा प्रस्तुत गीत गजलों ने भी खूब तालियां बटोरी तो वहीं धनंजय साश्वत ने भी श्रोताओं को जी भर गुदगुदाया। राजेंद्र शुक्ल के गीतों में बसंत महक उठा और प्रतापगढ़ से आए लवलेश यदुवंशी ने अपनी और कविताओं में राष्ट्रीय शौर्य का बखान किया। रामलोचन सांवरिया की कविता पांव चूमेगी सफलता लक्ष्य होना चाहिए।व्यक्ति को अपनी कला में दक्ष होना चाहिए,भी खूब सराही गई। संयोजक कवि संतोष शुक्ला समर्थ ने पढ़ा- मैं नीम की पीपल की छांव छू के चला था,मैं घर से अपनी मां के पांव छू के चला था। उनके द्वारा सामाजिक सरोकार से जुड़ी पंक्तियों ने भी खूब तालियां बटोरी। कवि सम्मेलन के उपरांत सभी कवियों को भारतीय किसान यूनियन के मंडल प्रभारी राजीव चंदेल और किसान नेता केके मिश्रा द्वारा मंच पर सम्मानित किया गया।इस मौके पर क्षेत्र के कई शिक्षाविद,समाजसेवी जनप्रतिनिधि,प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद रहे।

शंकरगढ़ में तय माना जा रहा 5 ग्राम पंचायत सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। विकास खंड शंकरगढ़ में सोमवार को रिक्त चल रहे ग्राम पंचायत सदस्यों की नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई। चार ग्राम पंचायतों के पांच वार्डों में ग्राम पडुआ के वार्ड 13 में ओबीसी,बेमरा के वार्ड 10 व 11 में ओबीसी,अकौरिया के वार्ड 13 में ओबीसी, जबकि मवैया कला के वार्ड 1 में ओबीसी महिला के पद रिक्त चल रहे थे। सोमवार को शंकरगढ़ में हुई नामांकन प्रक्रिया में 4 ग्राम पंचायतों के 5 वार्डों में प्रत्येक में एक,एक ने नामांकन पत्र दाखिल किया।ऐसे में जांच के बाद नामांकन पत्र सही पाए जाने पर सभी का निर्विरोध निर्वाचन तय माना जा रहा है। चुनाव अधिकारी अरविंद व्यास ने बताया कि 5 वार्डों में एक-एक नामांकन पत्र दाखिल हुआ है। मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच के बाद रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा।नामांकन प्रक्रिया के दौरान एआरओ जय प्रकाश,एडीओ पंचायत प्रेमचंद्र सिंह मौजूद रहे।

सरकारी भूमि पर हो रहा निर्माण, शासन बेफिक्र

सरकारी आबादी व खाद गड्ढे के रकबे में दबंग लोग डाल रहे नींव

अखण्ड भारत संदेश

लेडियारी। तहसील कोरांव क्षेत्र के खीरी थाना अंतर्गत ग्राम सभा बसगढ़ी के डीही पटखा गाँव में पच्छिम दिशा को जाने वाले मार्ग के दाहिनी ओर खाद गड्ढा और सरकारी आबादी है जो खाली पड़ी थी।लेकिन अब उस पर गाँव के ही निवासी शिव शंकर यादव पुत्र ठाकुर प्रसाद यादव सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने की दृष्टि से अपना मकान बनवाने हेतु पिलर का गड्ढा खुदवा रहा है।जिसकी लिखीत शिकायत खीरी थाना में स्थानीय पत्रकार द्वारा की गई है। कुछ दिन पहले स्थानीय पत्रकार ने अखबार के माध्यम से शासन - प्रशासन को अवगत कराया था और आशंका जाहिर की थी कि उक्त सरकारी भूमि पर गाँव के ही लोगों द्वारा अवैध कब्जा करने के फिराक में हैं जो कि सच्चाई सामने आ ही गई है। पत्रकार द्वारा हल्का लेखपाल को फोन के द्वारा सूचित भी किया गया था। इस संदर्भ में लेखपाल ने कहा था कि 12 फरवरी के बाद सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करा दिया जायेगा। किंतु अभी तक कोई भी कार्यवाही नही हुई है।20 फरवरी दिन सोमवार को स्थानीय लोगों द्वारा पत्रकार को मालूम पड़ा तो पत्रकार ने उपजिलाधिकारी कोरांव को फोन लगाया तो फोन स्विच ऑफ बताया। तहसीलदार कोरांव को दो बार फोन लगाया तो कॉल रिसिव नही किया गया। लेखपाल का भी फोन स्विच ऑफ ही बताया। मामले में अगर जल्दी ही कार्यवाही नही हुई तो उक्त भूमि पर उक्त व्यक्ति द्वारा अवैध कब्जा कर लिया जायेगा।पत्रकार के सूचना के बावजूद अगर शासन प्रशासन द्वारा कार्यवाही नही की गई तो यह ग्रामीणों का दुर्भाग्य होगा और जिम्मेदारों की मिली भगत साबित होगा।

हाईकोर्ट के आदेश पर पीडीए ने अवैध मार्केट किया ध्वस्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट फ्लाईओवर की दक्षिणी पटरी पर स्थित मार्केट के अवैध निर्माण को रविवार को पीडीए ने बुलडोजर से ध्वस्त करा दिया। मार्केट में 12 दुकानें बनी थीं। इनमें एडवोकेट्स के कई चेंबर भी बनाए गए थे। पीडीए की ओर से अवैध मार्केट ध्वस्त करने की कार्रवाई दिन के 11.30 बजे आरंभ हुई। चार बुलडोजर लेकर अफसर होटल रविशा से लगे मार्केट में पहुंचे। इससे पहले न्यायविद् हनुमान मंदिर से लेकर होटल के बीच चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात किए गए थे।मजिस्ट्रेट के साथ पहुंचे पीडीए के अफसरों ने चार बुलडोजर लगवाकर ध्वस्तीकरण आरंभ कराया। मार्केट का निर्माण कराने वाले अशोक द्विवेदी के मुताबिक उन्होंने शाहिद रजी से वर्ष 2017 में 1500 स्क्वायर मीटर भूमि का एग्रीमेंट किया था। इस भूखंड पर पीडीए से नक्शा पास कराने के बाद एडवोकेट्स चैंबर बनाए गए। इस दौरान वहां पहले से काबिज कई लोग परिसर छोड़ने के लिए तैयार नहीं हुए। अलबत्ता इस मामले में वह हाईकोर्ट चले गए। हाईकोर्ट ने मामले को मीडिएशन सेंटर भेज दिया। भूमि स्वामी के साथ मीडिएशन सेंटर में तीन बार समझौते की प्रक्रिया चली लेकिन, बात नहीं बनी। आदेश के क्रम में रविवार को 350 स्क्वायर मीटर में बने निर्माण को अवैध घोषित करते हुए ढहा दिया गया।

लाहौर राक्स क्रिकेट एसोसिएशन नेदुला की टीम विजयी

अखंड भारत संदेश

जंघई। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी लहौरा राक्स क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा केवलापति स्कूल के बगल चंपापुर क्रिकेट मैदान में 10 फरवरी को क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दर्जनों टीमों ने हिस्सा लिया और अपने भाग्य को आजमाया। मुख्य मुकाबला 20 फरवरी को भंडा एवं नेदुला क्रिकेट टीम के मध्य हुआ।पहले भंडा की टीम ने बैटिंग किया और 12 ओवर में 136 रन बनाकर आल आउट हो गई। जबाब में उतरी नेदुला की टीम द्वारा लक्ष्य का पीछा करते हुए 11 ओवर 3 गेंद और 5 विकेट पर जीत हासिल कर लिया। विजेता टीम को 20 हजार और 5 फीट ऊंची ट्राफी और उपविजेता टीम को 10 हजार रुपए एवं पुरस्कार दिया गया। क्रिकेट प्रतियोगिता का संचालन जय प्रकाश यादव पूर्व प्रधान भंडा, सुनील यादव, श्रवण यादव पूर्व बीडीसी, गिरिजा शंकर यादव ने किया।इस अवसर पर अध्यक्ष सतीश यादव, संजय यादव, अवधेश, उपाध्यक्ष अखिलेश यादव, अजय यादव कोषाध्यक्ष राकेश यादव, नीतेश यादव, धर्मेंद्र, पिंटू, समापन कर्ता बृजबली यादव प्रधान चंपापुर, अशोक यादव प्रधान मठोई, कमेंटेटर नीरज यादव, अजय यादव, मुस्तफा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

यात्रीगण ध्यान दें! निरस्त रहेगी नंदन कानन एक्सप्रेस

प्रयागराज। खड़गपुर मंडल में रानीताल स्टेशन पर हो रहे नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ गाड़ियों का निरस्तीकरण किया गया है। इसमें महत्वपूर्ण गाड़ी सं. 12816 आनंद विहार (दिल्ली) से चलकर पुरी तक जाने वाली नंदन कानन एक्सप्रेस ट्रेन भी शामिल है। इस ट्रेन का संचालन प्रयागराज जंक्शन के रास्ते होता है।इसी तरह तीन अन्य ट्रेनों को अलग दिनों में निरस्त किया गया है। इससे प्रयागराज समेत आसपास के यात्रियों को परेशानी होगी। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि नंदन कानन एक्सप्रेस 25 फरवरी, 27 फरवरी, एक मार्च और चार मार्च को निरस्त रहेगी। इसी तरह तीन अन्य ट्रेनों के संचालन को रेलवे की ओर से निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। यह सभी ट्रेनें प्रयागराज होकर आनंद विहार से पुरी और पुरी से आनंद विहार के बीच चलती हैं।गाड़ी संख्या 12816 आनंद विहार ट.-पुरी एक्सप्रेस दो फरवरी, 27 फरवरी, एक मार्च एवं चार मार्च को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12815 पुरी-आनंद विहार ट. एक्सप्रेस 27 फरवरी, एक मार्च, चार मार्च एवं छह मार्च को निरस्त रहेगी।गाड़ी संख्या 12875 पुरी-आनंद विहार ट. एक्सप्रेस तीन मार्च एवं पांच मार्च को निरस्त रहेगी।गाड़ी संख्या 12876 आनंद विहार ट.-पुरी एक्सप्रेस पांच मार्च एवं सात मार्च को निरस्त रहेगी।

टैंकर ने युवती को रौंदा, रोड को क्रॉस करते समय हुआ हादसा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। सुबह 10 बजे सड़क क्रॉस कर रही युवती को 100 की स्पीड से आ रहे दूध के टैंकर ने रौंद दिया। युवती जमीन पर लेटकर तड़पती रही। कुछ ही देर बाद उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद घबराकर टैंकर चालक खिड़की से कूदकर भाग निकला। युवती के भाई ने अज्ञात चालक पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। थरवई थानाक्षेत्र के पास हादसा हुआ है।चकिया धरहरा गांव निवासी प्रवीण कुमार ने पुलिस को तहरीर दी। इसमें बताया,₹बहन अनारकली काम के सिलसिले में थरवई जा रही थी। वह अप्पे पर सवार थी। बेरुई गांव के पास कुछ सामान लेने वह अप्पे से उतरकर सड़क पार कर रही थी। तभी मंगलम दूध फैक्ट्री का टैंकर सहसों की तरफ जा रहा था। उसकी गति काफी तेज थी। टैंकर ने मेरी बहन को जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद भागने के चक्कर में उसने ऊपर से निकल गया। मेरी बहन की मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीण बोले- बाइक और स्कूटी में टक्कर हुई : चश्मदीदों ने बताया,₹मुख्य मार्ग पर बाइक और स्कूटी की टक्कर हुई। इसमें बाइक सवार को मामूली चोट आई। जबकि अनारकली की मौके पर मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को 108 एंबुलेंस से इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया।सूचना पर थरवई पुलिस मौके पर पहुंची। अनारकली के परिजन भी पहुंचे। पुलिस और परिजनों के बीच कहासुनी होने लगी पुलिसकर्मियों ने समझा-बुझाकर किसी तरह शांत कराया।

भाई स्कूटी पर सवार होने से इंकार किया : भाई प्रवीण कुमार ने स्कूटी पर सवार होने की बात से इनकार किया है। पुलिस को दी गई तहरीर में अज्ञात ट्रक चालक पर ₹₹₹ कराई है। थरवई के उप निरीक्षक सुखचैन तिवारी ने बताया कि मौके से एक बाइक और एक स्कूटी में टक्कर पाई गई है।दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर थाने लाया गया है। ट्रक चालक फरार हो गया है। घटना की जांच की जा रही है। स्कूटी किसकी थी उसका पता लगाया जा रहा है। अनारकली दो भाइयों में सबसे छोटी थी।

न्यूज झरोखा

अच्छे विचारों से ही होगा शक्तिशाली समाज का निर्माण : डॉ अर्चना

प्रजापिता व्रम्हकुमारी संस्था का नारीबारी के लोहरा मे हुआ आयोजन

शंकरगढ़। मन में बुरे विचार लाने से हमारी शक्तियां नष्ट हो रही है। हम सब को अपने मन मष्तिक को शक्तिशाली बनाने के लिए अच्छे-अच्छे विचारों को लाकर अपने अन्दर की बुराइयों का परित्याग कर अपनी पाजिटिव शक्ति को बढ़ाना होगा,उक्त बातें मुख्य अतिथि प्रजापिता ब्रम्हकुमारी की डॉ अर्चना दीदी ने नारीबारी के लोहरा गांव में कही।उन्होंने सभी से नशा मुक्ति का मार्ग अपनाने और शक्तिशाली विचारों से समाज निर्माण की बात कही। कार्यक्रम में किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ के प्रोफेसर डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने शिवरात्रि के अध्यात्मिक रहस्य को लेकर ब्रम्हकुमारी संस्था द्वारा मन को सकारात्मक कैसे बनाए? और जीवन में ध्यान को अपनाने व पिता के महत्व को बताया। वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ.प्रवीण पटेल ने कहा सब कुछ हो लेकिन शक्ति और समर्थ्य ना हो तो सब बेकार है। इस मौके पर त्योथर ब्रम्हकुमारी प्रभारी वी.के. सुनीता, मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, कार्यक्रम आयोजक समाजसेवी सूर्यप्रताप सिंह सुधाकर, वीके नीरज, हरिनारायण सिंह, अच्छेलाल सिंह, उदय राज सिंह, राजभर सिंह, गुलाब सिंह, राजमणि सिंह, बलवंत सिंह, गोविंद सिंह, धर्मराज पाल आदि रहे।

पीडी ने ब्लॉक में निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

सहसों। विकास खण्ड सहसों के थानापुर स्थित ब्लॉक मुख्यालय कार्यालय पर चल रहे निर्माण कार्य को परियोजना निदेशक प्रयागराज अशोक कुमार मौर्य ने सोमवार को पहुंचकर निरीक्षण के साथ सभी जानकारी प्राप्त की। परियोजना निदेशक ने निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देते हुए निर्माण कार्य को अति शीघ्र पूर्ण कराए जाने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान मौके पर विकास खण्ड अधिकारी सहसों संजीव रत्न, विकास खण्ड अधिकारी बहादुरपुर मनोज कुमार सिंह, एडीओ पंचायत नरेन्द्र दूबे, एडीओ आईएसबी विजय कुमार गौतम, प्रमुख प्रतिनिधि शिव नारायण सिंह गप्पू , विजय बहादुर, सोनू सिन्हा, प्रताप बहादुर सिंह, गुलाब प्रसाद त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

तहसील दिवस रह गया महज खानापूर्ति

बारा। तहसील में आज समाधान दिवस मनाया गया।आज आयोजित समाधान दिवस पर डीसीपी प्रयागराज संतोष कुमार मीणा व एसडीएम बारा सूदन अब्दुल्लाह मौजूद रहे। दूरदराज के गांवों से आये फरियादियों ने सम्बंधित अधिकारियों को अपनी व्यथा सुनाई,लेकिन किसी भी फरियादी की समस्याओं का त्वरित निस्तारण नहीं हो सका। उपस्थित अधिकारियों ने अपने मातहतों को शीघ्र ही समस्या का निराकरण करने की बात कही,लेकिन किसी ने भी तुरंत निस्तारण करना अच्छा नहीं समझा।जिससे दूरदराज से आये ग्रामीणों काफी निराश होकर घर चले गए।लोगों को यह कहते हुए सुना गया कि अब तहसील दिवस पर कोई कार्यवाही नहीं होती,अधिकारी खानापूर्ति करके चले जाते हैं। वहीं दूसरी ओर समाधान दिवस में कुछ अधिकारियों को मोबाइल पर व्यस्त तो कुछ को ऊँघते हुए देखा गया।

अपना अपना बूथ करो मजबूत : विश्वनाथ पाल

प्रयागराज। बहुजन समाज पार्टी के तत्वधान में यमुनापार की विधानसभा 264 बारा (सुरक्षित) के अंतर्गत आने वाला सेक्टर लोहगरा की समीक्षा बैठक बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने लोहगरा स्थित रामलीला पार्क मे की। प्रदेश अध्यक्ष ने समीक्षा बैठक में उपस्थित सेक्टर बूथ के पदाधिकारियो को अपना-अपना बूथ करो मजबूत का मंत्र देकर आने वाले लोकसभा चुनाव 2024 में हर बूथ जिताकर बहनजी को देश का प्रधानमंत्री बनाने का बिगुल फूंका। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि सेक्टर बूथ की कमेटी अच्छी होगी है है तो उसे रिव्यू करने की कोई जरूरत नहीं है बल्कि जो बूथ कमजोर है वहां पर नए कार्यकताओं को बूथ की जिम्मेदारी देखकर उसे कैडर से लैसकर मजबूत करना होगा। लोकसभा चुनाव से पहले अगर बसपा के बूथ के पदाधिकारी अपने बूथ को मजबूत कर लिए तो प्रत्येक बूथ जिताकर बहुजन समाज के प्रत्याशी को विधानसभा व लोकसभा को बड़े आराम से जीता जा सकता है। अगर कार्यकताओं द्वारा बूथ की मजबूती नहीं की जाती है तो बहुजन समाज कभी भी हुकूमत नहीं बन सकता क्योंकि डा. बाबासाहेब ने कहा था कि संविधान चाहे कितना ही अच्छा क्यों न हो उसे लागू करने वाले अच्छे नहीं हैं तो संविधान गलत साबित होगा। संविधान कितना खराब क्यों ना हो उसे लागू करने वाले अगर अच्छे हैं तो संविधान खराब होने के बावजूद अच्छा साबित होगा। सर्वसमाज की बेटियों को पढ़ने-लिखने का अधिकार अगर मिला है तो सिर्फ डा. बाबासाहब की बदौलत मिला। वोट दोधारी तलवार है, सही प्रयोग करेंगे तो बाल बच्चों का भविष्य अच्छा होगा और देश का भी विकास होगा अगर वोट का गलत प्रयोग करेंगे तो बाल बच्चों का भविष्य चौपट होगा और देश विकास नहीं कर पाएगा। आजादी से पहले देश दोहरी गुलामी का शिकार था। बहुजन समाज के लोग एक ओर जहां अंग्रेजों से तो वहीं दूसरी ओर देश के राजे रजवाड़ों के शोषण के शिकार थे। आजादी के बाद बहुजन समाज में जो सामाजिक आर्थिक कमजोरी थी उसे बाबासाहेब ने संविधान में आरक्षण के माध्यम से दूर करने का प्रयास किया लेकिन संविधान विरोधी वर्तमान भाजपा की सरकार संविधान का वास्तविक रुप से शतप्रतिशत लागू नहीं करना चाहती जिसमें आज भी दलितों-पिछडो का आरक्षण आज भी पूरा नही हो पाया। बसपा भारतीय संविधान में दिए गए प्रावधानों के अनुरूप चलती है। कांशीराम साहब मंडल कमीशन लागू करो वरना कुर्सी खाली करो के तहत संसद के बाहर मंडल कमीशन रिपोर्ट तत्कालीन प्रधानमंत्री बीपी सिंह द्वारा लागू करवाया और काशीराम ने इसकी लड़ाई न लड़ते तो आजतक ओबीसी का आरक्षण न लागू हुआ होता। यदि न्याय पसंद सर्वसमाज के लोग बसपा के साथ आ जाएं तो देश में बहुजनों की सत्ता होती लेकिन आज ओबीसी समाज के लोग अप्रत्यक्ष रूप से मनुवादी व्यवस्था के पोषक बने हुए है। समीक्षा बैठक में प्रयागराज मिजार्पुर मंडल के मुख्य जोन इंचार्ज अशोक गौतम, राजू गौतम, सतीश जाटव मण्डल जोन इंचार्ज राजेश पासी, जिला अध्यक्ष टीएन जैसल, घनश्याम पटेल, अतुल कुमार टीटू, प्रवीण भारती, पंकज गौतम, चिंतामणि वर्मा, विजय सरोज, डा. एसपी सिद्धार्थ, आलोक चौधरी, भोलानाथ चौधरी, हरिश्चंद्र कुरील, सुधाकर सिंह पटेल, शिव शंकर पाल, अवधेश गौतम, समरजीत चौधरी, मनोज कुशवाहा, जगदंबा कुशवाहा, मनोज पाल, राजेश पाल, भारत लाल पाल, सीताराम पाल, इश्तियाक अहमद, प्रदीप मिश्रा, शिवानंद गुप्ता, हरी लाल कनौजिया, शिव शंकर विश्वकर्मा, महेश सिंह पटेल के साथ सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

सोमवती अमावस्या स्नान पर्व

श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

18 लक्षागृह गंगा घाट पर लगी रही भक्तों की भीड़

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। हंडिया तहसील क्षेत्र में आने वाले पौराणिक स्थल लाक्षागृह गंगा घाट पर सोमवती अमावस्या स्नान पर्व पर ब्रह्म मुहूर्त से ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से दान पूर्ण किया 'सोमवती अमावस्या पर्व पर पौराणिक स्थल लाक्षागृह गंगा घाट पर आस्था की डुबकी लगाने के लिए भोर से श्रद्धालु पैदल गंगा की रेती पर भारी-भरकम भीड़ के साथ आना शुरू कर दिए थे। ब्रह्म मुहूर्त पर ही भारी तादाद में श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाते हुए दान पूर्ण किया 'भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए पहले से ही घाटों को चुस्त और दुरुस्त कर दिया गया था ' महिलाओं को स्नान के बाद कपड़ा बदलने में किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत ना आए। इसके लिए गंगा घाट पर चेंजिंग रूम बनाया गया था' दूर-दराज से गंगा स्नान करने आए लोगों को किसी भी प्रकार की दिक्कतों का सामना ना करना पड़े और भीड़ को काबू में रखने के लिए हंडिया पुलिस के साथ-साथ पीएसी बल मौके पर मौजूद रही ' इसके साथ ही मेले की सुरक्षा के दृष्टिगत फायर ब्रिगेड की टीम व दमकल की गाड़ियां भी मौके से मौजूद रही।

पति के लंबी उम्र के लिए महिलाएं करती है पूजा

पौराणिक कथाओं की मान्यता के अनुसार आज के दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए स्नान करके पीपल के वृक्ष के नीचे फेरी लगाते हुए पूजा पाठ करती है।महिलाएं अपने पति और परिवार के लंबी उम्र की कामना करती हैं।

पांडवों की धर्म नगरी है लाक्षागृह

पौराणिक कथाओं की मान्यता के अनुसार धर्म नगरी लाक्षागृह महाभारत युगीन पांडवों की नगरी है। यहां पर पांचों पांडव कुछ दिनों के लिए निवास करने आए थे। यहां गंगा स्नान भी करते थे' इसलिए यहां स्नान करने मात्र से मनुष्य के सभी पाप कटते हैं।

साथी के साथ अभद्रता को लेकर क्षेत्राधिकारी कार्यालय हंडिया में पत्रकारों का प्रदर्शन

उतरांव। सराय ममरेज पुलिस द्वारा पत्रकार के साथ अभद्रता के मामले में सोमवार को लामबंद पत्रकारों ने एसीपी हंडिया से मिलकर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। साथ ही साथ पत्रकारों ने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन और नारेबाजी किया। बताते चलें कि पत्रकार कमलेश गुप्ता एक चैनल हंडिया तहसील के रिपोर्टर है। महाशिवरात्रि के दिन एतिहासिक कुंदौरा धाम मेले में कवरेज करने गए थे। मेले में सराय ममरेज पुलिस द्वारा पत्रकार कमलेश गुप्ता के साथ अभद्रता की गई। जिससे क्षुब्ध पत्रकार सोमवार को हंडिया एसीपी कार्यालय पर भारी संख्या में पत्रकार लामबंद होकर सरायममरेज पुलिस के खिलाफ नाराजगी जताते हुए जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। एसीपी सुधीर कुमार के द्वारा पत्रकारों की तहरीर लेकर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।वही पत्रकारों ने चेतावनी दी है कि अगर दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई नहीं होगी तो एसीपी कार्यालय पर अनशन किया जाएगा। सुधीर कुमार ने मीडिया के सवाल को जवाब देना उचित नहीं समझा योगी पुलिस पत्रकारों पर आए दिन सितम दहा रही है। जो की योगी जी फरमान जारी किया था की कोई भी अधिकारी पत्रकार के साथ अभद्रता करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

टीबी मरीजों को चिह्नित करेगी स्वास्थ्य विभाग की टीम

प्रयागराज। मरीजों की खोज के लिए आज सोमवार से विशेष अभियान शुरू हो गया है। 10 दिन तक चलने वाले इस अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम अलग अलग स्थानों पर जाएगी और टीबी के लक्षण वाले मरीजों की सूची बनाएगी। इसके बाद उनके सैंपलों की जांच उइ नॉट मशीन से की जाएगी। यह जानकारी जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एके तिवारी ने दी। वह सोमवार को जिला क्षय रोग नियंत्रण कार्यालय में प्रेस वार्ता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि यह अभियान पांच मार्च तक चलेगा।अभियान के दौरान स्वास्थ्य टीम जनपद के कुल आबादी की 20% जनसंख्या शहरी एवं ग्रामीण बस्ती तथा हाई रिस्क क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों की स्क्रीनिंग करेगी। साथ ही सैंपलों की जांच जनपद में स्थापित पांच सीबी नॉट एवं 13 ट्रूनाट मशीन एवं माइक्रोस्कोपिक से की जाएगी। इसके बाद घनात्मक मरीजों का उपचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान का फर्स्ट फेस 20 से 23 फरवरी (तीन दिन) अनाथालय, मदरसा जेल, सब्जी मंडी नर्वोदय विद्यालय नारी निकेतन, वृद्धा आश्रम, जेल, ईंट भट्ठा में भी विशेष अभियान चलाकर जांच की जाएगी।

जे पी मेमोरियल ग्रुप ऑफ कॉलेज कोहडिया गन्ने में हुआ ब्लड बैंक का शुभारम्भ

अखंड भारत संदेश

बारा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोहड़िया गन्ने में जे पी मेमोरियल ग्रुप ऑफ कॉलेज में ब्लड बैंक का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री भारत सरकार माननीया अनुप्रिया पटेल जी ने किया। कॉलेज के प्रबंधक डॉ ओम प्रकाश सिंह (टइर टर) जी ने कहा कि उनका यह एक बहुत पुराना सपना था जो आज पूरा हुआ। जिससे ग्रामीण अंचल के गरीब मजदूर किसानों को बहुत फायदा होगा। जिससे उनको ब्लड के लिये शहर का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा ।यहाँ उनको बहुत ही आसानी और बहुत ही कम समय में ब्लड उपलब्ध हो जाएगा। माननीया अनुप्रिया पटेल जी ने भी डॉ ओम प्रकाश सिंह जी की इस कार्य के लिये बहुत सराहना की और कहा कि कॉलेज कैंपस में उपस्थित हॉस्पिटल में आज ब्लड बैंक की स्थापना की गई है और मुझे पूरा विश्वास है कि इस ग्रामीण और पिछड़े हुए क्षेत्र में आम जनमानस की तमाम स्वास्थ्य संबंधी जो समस्याएँ हैं उसकी पूर्ति जे पी मेमोरियल हॉस्पिटल के माध्यम से हो रही है, और आज इस ब्लड बैंक के खुलने से जनता की सहूलियतें और बढ़ेंगी। स्वामी प्रसाद मौर्य वाले बयान पर पूछने पर कहा कि रामायण में स्तुति हैं रचनाएँ हैं और जो रीति रिवाज हैं समाज में उनके अच्छाइयों पर कभी ना कभी प्रतिक्रिया और टीका टिप्पणी आती रहती है। समाज में सुधारों की एक सतत प्रक्रिया है जो चलती रहती है। मेरा यह मानना है कि कोई भी ऐसी बात जिससे समाज में तनाव की स्थिति पैदा हो इससे हमे परहेज करना चाहिए।बारा विधायक वाचस्पति जी ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि वह बारा में बहुत जल्द ही 25 करोड़ रुपये की लागत से कॉलेज की स्थापना करेंगे, जिसमें जीएनएम, एएनएम, बी फार्म का कोर्स उपलब्ध होगा।कार्यक्रम में मुख्य रूप से बारा विधायक वाचस्पति ,पूर्व सांसद नागेंद्र सिंह पटेल आदि क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नहर विभाग ठेकेदारों के दबंगई के चलते मिट्टी युक्त बालू से कराया जा रहा है कार्य

अखण्ड भारत संदेश

लेडियारी। लेडियारी क्षेत्र में नहर बिभाग द्वारा कई ठिकेदारो ने टेन्डर डाल कर कार्य करा रहे हैं। देवी बांध डीही खुर्द माइनर में कई जगह छतिग्रस्त पुलिया एवं झाल का कार्य जोरों से चल रहा है।सरकार के मानक के अनुरूप कार्य कराने के लिए ठिकेदारो द्वारा सहमति फार्म भरा जाता है। लेकिन कमीशनखोरी के चलते सही मटेरियल का सेवन ठिकेदारो द्वारा नही कराया जाता है। ठिकेदार के लेबरों ने बताया की सात बोरी गिट्टी एवं सात बोरी बालू एवं एक बोरी सेमेन्ड डालने को मेठ द्वारा हम लोगों को बताया गया है।उसका हम लोग पालन कर रहे। मिट्टी युक्त बालू के सन्दर्भ में अवधेश मेठ से बात किया गया तो उन्होंने बताया की हमारे ठीकेदार बसहा नदी से बात कर आज रात में यह बालू गिरवाए है जो मटेरियल मिला है उसी से हम लोग डलाई करा रहा हूं। जिला प्रशासन का इस ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए जांच करा कर तत्काल कार्य को रोकने का आदेश जारी करने के लिए क्षेत्रीय लोगों ने मांग की हैं। नहर विभाग जेई से बात करने का प्रयास किया गया मोबाइल बन्द पाया गया।

अरई आदर्श क्लब मेजा ने जीती वॉलीबाल प्रतियोगिता की ट्रॉफी

अखंड भारत संदेश

अंसार क्लब मंडौर, फूलपुर बनी उपविजेता

मेजा रोड। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन, प्रयागराज के तत्वावधान में टाइगर स्पोर्टिंग क्लब टेला के सौजन्य से ग्राम सभा टेला में एक दिवसीय " ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता " संपन्न हुई। प्रतियोगिता में कुल 13 टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल-कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच आदर्श क्लब अरई,मेजा तथा अंसार क्लब मंडौर,फूलपुर के बीच खेला गया। जिसमें आदर्श क्लब अरई,मेजा ने अंसार क्लब मंडौर,फूलपुर की टीम को 25 - 21 तथा 25 - 23 अंकों से हराकर वॉलीबाल प्रतियोगिता की ट्रॉफी जीत ली। इसके पूर्व खेले गए प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल मैच अंसार क्लब मंडौर तथा स्पोर्टिंग क्लब ऊंज,भदोही के बीच खेला गया। जिसमें अंसार क्लब मंडौर ने स्पोर्टिंग क्लब ऊंज,भदोही की टीम को 25 - 20 तथा 25 - 23 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। वहीं दूसरे सेमीफाइनल मैच में आदर्श क्लब अरई ने वॉलीबाल क्लब टेला,हड़िया की टीम को 25 - 19 तथा 25 - 21 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। प्रतियोगिता में मुकेश शुक्ला, संतोष भास्कर, असफाक अहमद, संतोष गुप्ता ने रेफरी की भूमिका अदा की। प्रतियोगिता के खेले गए अन्य मैचों में स्पोर्टिंग क्लब ऊंचडीह,मेजा ने भास्कर क्लब महेवा,मांडा की टीम को 25 - 22 तथा 25 - 18 अंकों से, अंसार क्लब मंडौर ने वॉलीबाल क्लब खिजिरिहां को 25 - 17 तथा 25 - 20 अंकों से, स्पोर्टिंग क्लब मांडा ने वॉलीबाल क्लब टेला,हड़िया की टीम को 25 - 19 तथा 25 - 21 अंको से, आदर्श क्लब अरई ने बजरंग क्लब औता,मेजा की टीम को 25 - 22 तथा 25 - 18 अंकों से, स्पोर्टिंग क्लब मदरा ने नव युवक क्लब जसवां,हड़िया को 25 - 14 तथा 25 - 17 अंकों से, वॉलीबाल क्लब काजीपुर ने युवा क्लब कौलापुर को 25 - 17 तथा 25 - 19 अंकों से तथा स्पोर्टिंग क्लब ऊंज,भदोही ने वॉलीबाल क्लब गोगांव की टीम को 25 - 21 तथा 25 - 18 अंकों से हराकर आदि टीमों ने अगले चक्र में प्रवेश किया था। प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह ब्लॉक प्रमुख हड़िया महेंद्र कुमार सिंह,मुन्ना के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने विजेता टीम अरई व उपविजेता टीम मंडौर के खिलाड़ियों को ट्रॉफी तथा निर्णायकों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किया। प्रतियोगिता के संयोजक राजकुमार पाठक ने मुख्य अतिथि के साथ-साथ प्रतियोगिता में पधारें समस्त अतिथियों को माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित व्यापार मंडल अध्यक्ष व प्रधान संघ के अध्यक्ष पवन यादव ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को 5100 रुपये तथा उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को 3100 रुपये की नगद धनराशि देकर पुरस्कृत किया। मुख्य आयोजक यादव बिल्डिंग मटेरियल टेला के प्रोपाइटर महेंद्र यादव ने प्रतियोगिता में पधारे समस्त अतिथियों का स्वागत व अभिनन्दन किया। जिला वॉलीबाल संघ,प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने प्रतियोगिता को संपन्न कराने के लिए आयोजन समिति के समस्त पदाधिकारीयों का आभार व्यक्त करते हुए आये हुए समस्त खिलाड़ियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त अवसर पर जिला वॉलीबाल संघ,प्रयागराज के कोषाध्यक्ष के.बी.एल.श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष के.पी.सिंह, प्रभाकर चौबे, डीवीए भदोही के अध्यक्ष सृष्टि नारायण सिंह, सुभाष यादव सचिव, आयोजन समिति के अध्यक्ष दयाराम मिश्रा, पप्पू यादव, अंजनी श्रीवास्तव, बबलू पांडेय, महेंद्र यादव बीडीसी, डॉ.राजेश यादव, अजय शुक्ला, लालमणी यादव, मदन मिश्रा, रामकैलाश यादव, कमलेश कुमार बीडीसी, अभयराज यादव एडवोकेट, कड़ेदीन यादव व धनजीत यादव बीडीसी आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह के गायन व नृत्य पर झूम उठा महोत्सव

रवि के साथ सई की लहरों मे भी उमंग, मयूर नृत्य ने भी अटठाईसवें महोत्सव की बिखेरी छटा

-

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। सुपरस्टार अक्षरा सिंह का अदभुत धमाल, रवि के तराने सांस्कृतिक रंगमंच पर जब अटठाईसवें महोत्सव की समापन संध्या को सुर व संगीत का संगम बनाने लगे तो बाबा धाम के समीप बह रही आदिगंगा सई की मन्द मन्द धारा में भी सतरंगी उमंग भी उफान लेने लगी। अक्षरा का जादू महिला एवं पुरूष आडीटोरियम से लेकर अति विशिष्ट दीर्घा तक इस तरह कयामत मे दिखा कि तिल रखने की जगह न होने के हालात मे दर्शको को एक पल के लिए तो संभालना मुश्किल हो गया। वहीं सांस्कृतिक रंगमंच पर गणेश वंदना, मयूर नृत्य, गुजरात के गरबा डांडिया, शिव-पार्वती नृत्य, राजस्थान का घूमर नृत्य और महाराष्ट्र का लोक नाट्य संगीत भी दर्शकों मे अमिट छाप छोड गया दिखा।

बाबा घुइसरनाथ धाम में एकता महोत्सव की समापन संध्या पर रविवार की रात जानी मानी भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह की अदा तथा गीतों ने पूरी की पूरी महफिल को अपने नाम बनाने मे कोई कोर कसर न छोडी। अक्षरा सिंह ने शुरूआत बाबा भोलेनाथ की आराधना के सुर को आगाज देकर किया। उनका गीत-गंगा जलवा बेलपतिया धतूरा भंगवा चढ़ाय के.. तथा भोले को नहला दो मेरे शंकर को नहला दो पर हर हर महादेव का भी जयघोष गूंज उठा। फिर अक्षरा अपने फन मे आ दिखी। अक्षरा ने जब लटके झटके के साथ आवाज की फिजा बनायी-फलनवा का बेटा सपनवा में आता है तथा जान मारे लंहगा ई लखनऊवा, जइसन सोचले रहनी वइसन पियवा मोर बानी.., कातिल जवानी फरेबी अदा बा.. पर तो कार्यक्रम स्थल का कोना कोना जोश व उल्लास मे थिरक उठा। वॉलीवुड स्टार रवि त्रिपाठी के भी भजन तथा फिल्मी गीतों से पसंदीदा माहौल बना। रवि के नमो नमो तथा हर हर शंभू व बम भोले बम के शिव आराधना के भजन से गजब की आध्यात्मिक समा बंधी। शिव आराधना के सुर मंच पर गूंजे तो लगा जैसे देवाधिदेव महादेव भी महाशिवरात्रि पर भक्ति आराधना को लेकर प्रफुल्लित हो उठे। रवि के फिल्मी तरानों ने भी युवा धड़कनो को जोशीले अंदाज मे खुशमिजाजी मे ला दिया।

एकता महोत्सव में गायन करतीं सुपरस्टार अक्षरा सिंह व रवि तथा भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास करते प्रमोद तिवारी।

राजस्थान के लोक कलाकारों का भी जादू रंगत मे दिखा। इन कलाकारो ने केसरिया बालम गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर वाहवाही हासिल की। महाराष्ट्र का भी लोकनाट्य संगीत एवं नृत्य दर्शकों को खूब भाया। संस्कृति विभाग की ओर से लोक कलाकार शिप्रा श्रीवास्तव के दल द्वारा आकर्षक लोक नृत्य फूलों की होली, शिव पार्वती आराधना की मनमोहक प्रस्तुतियां महोत्सव की सफलता को चार चांद लगाती दिखीं। वहीं शिप्रा के ई रेलिया बैरन पिया को लिये जाय रे पर भी दर्शक आनंदित हुए दिखे। निधि श्रीवास्वतव, मयूरी, प्रियंका, राजश्री ने पूर्णिमा शिक्षा एवं संस्कृति विभाग के बैनरतले मयूर नृत्य का भी शानदार प्रदर्शन किया। कलाकारों की महफिल सजी तो अटठाईसवां महोत्सव लोगों के दिलों मे उतर आया। राजेन्द्र विश्वकर्मा का संचालन व कमेडी भी महोत्सव की समापन संध्या को गुदगुदाता दिखा। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना तथा एआईएमटी के निदेशक अम्बिका मिश्र ने प्रस्तुतियां देने वाले कलाकारों का सारस्वत सम्मान किया। वहीं अक्षरा सिंह व रवि त्रिपाठी को क्षेत्रीय विधायक एंव कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने एकता सम्मान 2023 के तहत प्रशस्ति पत्र तथा शॉल व स्मृति-चिन्ह प्रदान किया। सांसद प्रमोद व एमएलए मोना के साथ कलाकारों को सम्मान के साथ हौसला आफजाई मे एसडीएम सौम्य मिश्र, सीओ रामसूरत सोनकर, एसडीएम अवनीश त्रिपाठी की भी असरदार उपस्थिति देखने को मिली।

ग्राम पंचायत सदस्य पद के रिक्त सीटों पर तीन नामांकन पत्र जमा हुए

परियावां, प्रतापगढ़। ब्लाक मुख्यालय कालाकांकर की ग्राम पंचायत मधवापुर, दयालपुर व जाजुपर में ग्राम पंचायत सदस्य की खाली पड़ी तीन सीटों पर सोमवार को ब्लाक कालाकांकर एआरओ जेई सुमित कुमार एमआई के पास तीन नामांकन पत्र सुंदरलाल पुत्र रामनाथ, वीरेंद्र कुमार पुत्र रामलौटन व कंचन देबी पत्नी राममनोहर ने जमा किया। उक्त तीनों ग्राम पंचायतों में विपक्ष में कोई नामांकन पत्र नही जमा हुये जिससे साफ जाहिर है कि उक्त तीनों ग्राम पँचायत में ग्राम पँचायत सदस्य की निर्विरोध सीट तय है, सिर्फ औपचारिकता रह गयी है। 21 फरवरी को नामांकन पत्र की जांच व 22 को नाम वापसी के साथ घोषणा करना बाकी रह गया है।

लूट के मोबाइल फोन के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली नगर के उ0नि0 सूर्य प्रताप सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/संदिग्ध व्यक्ति चेकिंग/तलाश वांछित, वारण्टी के दौरान थाना क्षेत्र कोतवाली नगर के हिंद भट्ठा के पास से थाना कोतवाली नगर में पंजीकृत मु0अ0सं0 110/2023 धारा 392 भादवि से संबधित लूट के एक मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त एक मोटर साइकिल के साथ दो अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि हम लोग कल शाम को कटरा रोड वडनपुर से यह फोन लूटा था। इसी को बेचने के लिये ग्राहक ढूंढने जा रहे थे। गिरफ्तार अभियुक्त में शिवम वाल्मीकि पुत्र राजेश वाल्मीकि निवासी पवन पैलेस टक्करगंज थाना कोतवाली नगर व रवी पुष्पाकर पुत्र ओमप्रकाश पुष्पाकर निवासी विवेक नगर थाना कोतवाली नगर जनपद प्रतापगढ़ शामिल हैं।

सीबीएसई की इंटर हिन्दी की परीक्षा सकुशल सम्पन्न

एंजिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में तीन परीक्षार्थी अनुपस्थित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सीबीएसई बोर्ड का इण्टर हिन्दी विषय की परीक्षा जनपद के सभी छह केन्द्रों पर सोमवार को समय से सम्पन्न हुई। न्यू एन्जिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में हिन्दीं के कुल 169 छात्र छात्राएं जनपद प्रतापगढ़ के ए.टी.एल स्कूल, आत्रेय अकादमी और सेंट जेवियर पट्टीं से परीक्षा देने के लिये प्रातः 9 बजे से ही विद्यालय गेट पर जमा होने लगे।

दस बजे विद्यालय गेट खुल गया और पुरुष एवं महिला कक्ष निरीक्षकों ने सभी का ऐडमिट कार्ड और स्कूल आई-कार्ड चेक करके सीटिंग प्लान के अनुसार उनका विद्यालय में प्रवेश लिया। सीबीएसई बोर्ड के द्वारा अमीर मेमोरियल स्कूल, कुन्डा की प्रधानाचार्या प्रमिला त्रिपाठी को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया। कुल

परीक्षा देकर बाहर निकलतीं परीक्षार्थिनीगण।

166 छात्र छात्राएं उपस्थित और 3 अनुपस्थित रहे। अनुशासनिक व्यवस्था चुस्त और दुरुस्त रही। परीक्षा सुचारु रूप से सम्पन्न हुई। दोपहर 1.15 पर वार्निंग बेल और 1.30 बजे परीक्षा समाप्ति की बेल के साथ ही सभी छात्र छात्राएं हँसते मुस्कुराते हुए एक दूसरे से पेपर के बारे में बातें करते हुए परिसर से बाहर चले गये। डॉ शाहिदा चेयरपर्सन न्यू एन्जिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल ने बताया कि सत्र 2022-23 के प्रथम दिवस की परीक्षा शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुई।

कर्म योगी महावीर प्रसाद आर्य को अर्पित की गई भावभीनी श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्य द्वारा उनके पूज्य पिताजी महावीर प्रसाद आर्य की पावन स्मृति में होटल शशांक में कर्मयोगी महावीर प्रसाद आर्य स्मृति दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में स्वर्गीय महावीर प्रसाद आर्य के जीवन कृतित्व की चर्चा की गई तथा उपस्थितजनों ने भावपूर्ण श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले साहित्यकारों, खिलाड़ियों, समाजसेवियों तथा प्रबुद्धजनों का ट्राफी तथा अन्य मूल्यवान पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। जिन विशिष्ट लोगों को कर्मवीर महावीर प्रसाद आर्य कैश अवार्ड 2023 से नवाजा गया

स्मृति दिवस समारोह में सम्मानित किए गए बहुमुखी प्रतिभा के धनी लोग

उल्लेखनीय कार्य करने वाले को सम्मानित करते आयोजकगण।

उनके नाम हैं ओम प्रकाश कोरी एमडीआरडी को 3000, दिनेश कुमार सहायक 2100, संतोष तिवारी सहायक 2100 को नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। समारोह में खेल क्षेत्र में राष्ट्रीय एंव अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियां प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त भारतीय जीवन बीमा निगम के उत्कृष्ट अभिकताओं को शानदार पुरस्कार दिए गए। आयोजक विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्य ने कहा कि वे माता-पिता धन्य होते हैं जो अपने संतानों के नाम से जाने जाते हैं। कहा कि पिता श्री महावीर प्रसाद आर्य ने बहुत संघर्ष और त्याग से हम भाइयों- बहनों को शिक्षा तथा संस्कार दिए। संसार में माता-पिता से बड़ा कोई नहीं होता है। अध्यक्षता कर रहे साहित्यकार डॉ0 दयाराम मौर्य ह्लरत्नह्व ने कहा कि राजीव कुमार आर्य आदर्श व्यक्तित्व के धनी हैं। अपने परिश्रम से वे सदा प्रथम आते हैं। मुख्य अतिथि एलायंस क्लब इंटरनेशनल के निदेशक रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि प्रतिभाओं का प्रोत्साहन ही धर्म है यही राष्ट्र निर्माण है और कहां की विभिन्न क्षेत्रों में अपने कार्यों से लोहा मनवाने वालों का सम्मान कर ही स्वस्थ समाज की स्थापना की जा सकती है। इस अवसर पर लखनऊ से आए समाजसेवी रमेश चंद्र, डॉ0 साहिदा, अशोक कुमार शर्मा, आनंद मोहन ओझा, रितिका मौर्य, ललित नारायण पांडे, वीना श्रीवास्तव इत्यादि ने विचार व्यक्त किए। सम्मानित होने वाले अभिकताओं के नाम हैं ओम प्रकाश शुक्ला, विजय बहादुर पाल, अशोक सिंह, पुष्पेंद्र शुक्ला, राघव सिंह, राकेश कुमार, मनीराम यादव, विवेक कुमार यादव, प्रशांत पांडे, शालिकराम मौर्य, लवलेश कुमार पुष्पाकर, श्रवण वर्मा, विनय पांडे, विनय सिंह, केतकी सिंह इत्यादि प्रमुख रहे। अंत में आनंद मोहन ओझा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीबीएससी के बच्चों को रंगारंग कार्यक्रम के साथ की गई विदाई

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। एस यू इण्टर नेशनल स्कूल चैरही मानिकपुर में सोमवार को सीबीएससी के हाई स्कूल व इंटर के कक्षा 10 व 12 के छात्र छात्राओं को एक्जाम में सम्मिलित होने पर स्कूल के बच्चो द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करके उनकी विदाई की गई। विदाई समारोह में स्कूल के फाउंडर एवं नगर पंचायत चेयरमैन अबू जैद ने सभी छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उपहार भेंट किया। प्रबन्धक फौजिया मैम ने सभी बच्चो को अनुशासन के साथ एक्जाम देने की बात कहते हुए अच्छे नम्बर लाकर स्कूल के साथ अपने माता पिता का नाम रोशन करने की सलाह दी। स्कूल प्रधानाचार्य अशीक अहमद व सभी शिक्षकों ने छात्रों को उनके जीवन में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते हुए विदाई समारोह को सम्पन्न कराया। इस मौके पर जे पी, जीनत, फरान, मोसिन, अनस, हबीबा, इशिता पूजा, निदा, इलियास आदि लोग मौजूद रहे।

विदाई समारोह में मौजूद छात्र-छात्राएं।

राजा भैया की पत्नी ने गोपाल जी पर दर्ज कराया फजीर्वाड़े का केस

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राजा भैया की पत्नी भानवी कुमारी सिंह ने एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह गोपाल पर केस दर्ज कराया है। अक्षय प्रताप को राजा भैया खेमे का नेता माना जाता है। पिछले दिनों वे काफी चर्चित रहे थे। आमतौर पर चर्चा से दूर रहने वाली राजा भैया की पत्नी के केस मामले ने माहौल को गरमा दिया है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपना अलग स्थान रखने वाले प्रतापगढ़ के कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ की पत्नी भानवी कुमारी सिंह इस समय चर्चा में आ गई हैं। चर्चा उनके कराए गए केस को लेकर हो रही है। दरअसल, भानवी कुमारी सिंह ने विधान परिषद सदस्य अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल भैया पर केस दर्ज करा दिया है। उन्होंने अक्षय प्रताप सिंह गोपाल समेत पांच अन्य के खिलाफ नई दिल्ली के ईओडब्लू थाने में केस दर्ज कराया है। एमएलसी पर फजीर्वाड़े समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया गया है। इसके बाद से विवाद गहराने लगा है।

भयहरणनाथ धाम में 23वां महाकाल महोत्सव सम्पन्न

अयोध्या शोध संस्थान की रामायण प्रदर्शनी व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां बनी आकर्षण का केन्द्र

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में 23वें महाकाल महोत्सव का भव्य व सुव्यवस्थित आयोजन भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा किया गया।

संस्कृति विभाग के अयोध्या शोध संस्थान द्वारा श्री रामायण प्रदर्शनी ने जहां महोत्सव व मेले में चार चांद लगा दिया वहीं राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय कलाकरों की प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को उत्कृष्ट स्वरूप प्रदान किया। प्रबन्ध समिति के कार्यकर्ता व पदाधिकारी व पुलिस बल व सम्बन्धित विभागों ने जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में उत्तम व्यवस्थाए की जिसकी सभी मुक्त कंठों से प्रशंसा करते नजर आए।

सामाजिक कार्यकर्ता व धाम के महासचिव समाज शेखर के संयोजन में होने वाले इस महोत्सव में 16 फरवरी को सन्त समागम से शुरू हुए इस महोत्सव का उद्घाटन फाफामऊ विधायक गुरू प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में भोले नाथ का रूद्राभिषेक कर किया गया। अध्यक्षता भयहरणनाथ धाम के मुख्य संरक्षक व सुव्यवस्था के संस्थापक डा0 चन्द्र शेखर प्राण ने किया। उन्होने कहा कि महाकाल महोत्सव की शुरूवात 2001 में स्थानीय समाज में दिव्य समाज निर्माण व गांव समाज के पुनर्जागरण हेतु शुरू किया गया था जो अब वास्तविक रूप से अपने प्रभाव में है जो धाम व समाज के अत्यन्त शुभ व सम्भावनाओं से भरा है। उद्यान विभाग द्वारा संसाधन समन्वयक अमित वर्मा के माध्यम से प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना से जुडने हेतु 4 द्विवसीय कैम्प लगाकर सैकडों युवाओं को जागरूक व सहभागिता की गई। धाम के उपाध्यक्ष वित लेखा राजीव नयन मिश्र, प्रशासन बबन सिंह, संगठन डा0 अमर बहादुर सिंह व कार्यक्रम उमाकान्त पाण्डेय तथा सचिव संगठन राज किशोर मिश्र व कोषाध्यक्ष लाल जी सिंह तथा सहकोषाध्यक्ष कमलेश बैश्य एवं स्वच्छता प्रभारी नीरज मिश्र व कार्यालय प्रभारी अंकित पाण्डेय द्वारा सराहनीय सेवाएं दी गई। सभी अतिथियों तथा कलाकारों एवं पुलिस बल व कार्यकताओं को संस्थान द्वारा स्मृति चिन्ह व आंवले के प्रसाद देकर विदा किया गया। सभी कार्यक्रमों में स्वागत धाम में महासचिव समाज शेखर व अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल ने आभार व्यक्त किया।

कलाकारों को सम्मानित करते आयोजकगण।

जिले के दो मेधावियों मुकेश व योगेंद्र ने जीते पदक

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। जिले के दो मेधावीयो ने एक हॉफ मैराथन में तो दूसरा नेशनल मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में कांस्यपदक हासिल कर बेल्हा का मान बढ़ाया है। कोलकाता स्थित साल्ट लेक स्टेडियम में आयोजित पांच दिवसीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जिले के सिंघनी कंजास निवासी योगेन्द्र सिंह ने कांस्यपदक हासिल किया। वही सांगीपुर क्षेत्र के देऊम पूरव के मुकेश चन्द्र मिश्र ने 19 फरवरी को लखनऊ मे आयोजित हॉफ मैराथन मे सफलता हासिल की। मुकेश जी को स्थानीय विधायक ने पदक के साथ सात हजार का चेक प्रदान किया। मुकेश जी राजस्थान के सर पदमपत सिंघानिया यूनिवर्सिटी में प्लेसमेंट ऑफिसर के पद पर तैनात है। वह घर आ रहे थे,जब लखनऊ पहुंचे तो हाफ मैराथन के आयोजन की जानकारी हुई तो वह दौड़ में हिस्सा ले लिया। वही योगेन्द्र ने मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन आफ उत्तर प्रदेश यूपीएमएए के बैनर तले प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया और तीसरा स्थान हासिल किया। योगेन्द्र की इस सफलता के चलते अब वह 2023 एशियन मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए अपना स्थान भी पक्का कर लिया है। सफलता को लेकर योगेंद्र सिंह का कहना है कि कोलकाता से आते ही वह एशियन मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप की तैयारी में लग जाएंगे। उनका लक्ष्य देश को स्वर्ण पदक दिलाकर देश एवं प्रदेश तथा जनपद का कीर्तिमान बनाने को है। वहीं दोनो की सफलता की जानकारी होने पर बेल्हावासियों मे खुशी की लहर देखी जा रही है।

तमंचे की नोंक पर चोरों ने उड़ाये नकदी व जेवरात, एक ही रात चोरी की दो वारदातें

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बदमाशों ने एक ही रात में दो थाना क्षेत्रों मे चोरी की वारदातो को अंजाम दिया। पहली चोरी की घटना रविवार की रात लालगंज कोतवाली के चकौड़िया गांव में हुई। गांव के अनिल पाण्डेय के घर चोर छत के रास्ते घुसे और तीस हजार नकदी समेत सोने चांदी के लाखों के जेवरात उडा लिये। घटना की देर रात अनिल की मां दुर्गावती शौच के लिए निकली तो घर के अंदर चोरी का नजारा देख आवाक रह गयी। अनिल पाण्डेय इस समय बाहर गये हुए बताये जाते है। घटना को लेकर उनकी मां दुर्गावती पत्नी स्व. शोभनाथ ने पुलिस को तहरीर दी है। दूसरी वारदात लीलापुर थाना के तिना गांव में चोरों ने अंजाम दिया। रविवार की रात चोर पीडिता के देशराज यादव की पत्नी प्रभा देवी के घर मे घुस गये और सोने चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। परिजनों के मुताबिक बदमाशों ने वारदात के समय किसी मशीन से जमीन में दबे गहनें की तलाश में किसी मशीन से पता लगाने की भी कवायद की। बदमाशों ने पीडिता पर तमंचा सटाकर परिजनों मे भय का माहौल बना रखा था। प्रभा का पति देशराज यादव कारोबारी के सिलसिले मे बाहर रहता है। घटना की जानकारी होने पर देर रात लीलापुर पुलिस भी मौके पर पहुंची और बदमाशों की तलाश का प्रयास किया किन्तु सफलता हाथ न लग सकी। पीडिता ने लीलापुर पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। एक ही रात दो घरों मे चोरी की इन वारदातों से पुलिस की गश्त की भी कलई खुली है तो इलाके मे भय भी व्याप्त हो उठा देखा जा रहा है।

अशद बना बॉम्बे नर्सरी स्कूल में विनर

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकांकर की ग्राम पंचायत परियावां का मोइन अंसारी का बेटा जो बॉम्बे के ऐंगल्स पैराडाइस नर्सरी स्कूल में अपनी पढ़ाई कर रहा है जिसे स्कूल की तरफ से स्पोर्ट डे पर सुपर स्टार प्रथम विनर घोषित किया गया जिसकी जानकारी परियावां में अशद के माता पिता को हुई तो सभी खुशी से झूम उठे और परवर दिगार का शुक्र गुजार करते हुए अशद के परिजनों ने आस पास के लोगो का मुँह मीठा किया। बेटे के विनर होने पर मां सूफिया अंसारी काफी खुश दिखाई दी और कहा कि अपने बेटे अशद को अच्छी तालीम दिलाऊंगा जो आगे चलकर गाव के साथ जनपद का नाम रोशन करेगा।

कुंडा के प्रमुख क्षेत्रो में बिक रहा अवैध रूप से खुलेआम गांजा

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। इन दिनों कुन्डा कोतवाली क्षेत्र के प्रमुख जगहों में खुलेआम गांजा की बिक्री हो रही है जिसका सोमवार को अवैध रूप से गांजा की बिक्री कर रहे पुरूष व महिला का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें खरीददारी करने वाले व्यक्ति व बिक्री करने वाले पुरूष महिला की बात चीत गांजा के खरीदने पर की जा रही है। अवैध रूप से गांजा की बिक्री होने से युवा पीढ़ी बर्बाद हो रहे है। अवैध गांजा की बिक्री कोतवाली क्षेत्र में होने से लोग कुंडा पुलिस प्रशासन पर उंगली उठाने लगे हैं इतना ही नही अवैध रूप से खुलेआम गांजा की बिक्री होने का सोशल मीडिया पर कोतवाली पुलिस पर आरोप लगाया गया है। अब देखना है कि कोतवाली क्षेत्र के चैसा, रेलवे क्रॉसिंग, कुंडा बाईपास, ताजपुर सरियावां व तिलौरी मोड़ पर अवैध रूप से गांजा की बिक्री पर कुन्डा पुलिस लगाम लगाती है या फिर खुलेआम गांजा की बिक्री चालू रखती है। कुन्डा क्षेत्र में खुलेआम अवैध रूप से गांजा की बिक्री होने से कुंडा पुलिस की अच्छी खासी किरकिरी देखने को मिल रही हैं

खबर संक्षेप

ससुराल आए युवक का जंगल में शीशम के पेड़ से लटकता हुआ शव मिलने से सनसनी

कौशाम्बी। जिले के सराय अकिल थाना क्षेत्र में ससुराल आए एक युवक का जंगल में शीशम के पेड़ से लटकता हुआ शव मिलने से सनसनी मच गई,पेड़ पर शव की सूचना पर पहुंची सराय अकिल थाना क्षेत्र के पुरखास गांव के पास जंगल में शीशम के पेड़ से एक युवक का शव लटकता हुआ मिला है,मृतक का पैर जमीन पर लटका हुआ था,आशंका है कि युवक की हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया गया है,सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई। मृतक की शिनाख्त कौशाम्बी थाना क्षेत्र के गढ़वा निवासी रामबाबू निषाद पुत्र अर्जुन निषाद के रूप में हुई है,बताया जा रहा है कि मृतक अपनी ससुराल मल्हीपुर आया हुआ था और उसका शव पुरखास गांव के पास जंगल में मिला है।आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर शव को ठिकाने लगाया गया है।बहरहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच में जुटी हुई है।

डीएम ने तहसील चायल में सुनी जनशिकायतें

शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता अवश्य सुनिश्चित करने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने तहसील चायल में आमजन की शिकायतों को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दियें। जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर शिकायत को निस्तारित करने के निर्देश दियें डीएम ने अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस एवं आईजीआरएस के तहत प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयान्तर्गत निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस के तहत प्राप्त शिकायतों को डिफाल्टर होने से पूर्व ही निस्तारित सुनिश्चित किया जाय। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 51 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 04 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। समाधान दिवस में शिकायतकर्ता मो. तारिक पूर्व सभासद निवासी-चायल खास द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि नगर पंचायत की भूमि पर कुछ दबंग व्यक्तियों द्वारा जबरन कब्जा कर निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने ईओ चायल को जॉच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दियें है। इसी प्रकार शिकायतकर्तागण श्री राम मनोहर, श्रीचन्द्र, तेरस, सुरेश, पप्पू एवं राजेन्द्र आदि लोगों द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि ग्राम-दरियापुर के कोटेदार द्वारा अगूँठा लगवाकर राशन नहीं दिया जाता है, जिस पर जिलाधिकारी ने डीएसओ को जॉच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दियें हैं। शिकायतकर्ता गोपाल नन्दन मिश्र द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि चरवा केसी का पूरा/मदूकी मार्ग पर स्थित चरई ग्राम की सड़क खराब है, जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को जॉच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दियें तहसील सिराथू में कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 03 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया तथा तहसील मंझनपुर में कुल 12 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से एक शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. रवि किशोर त्रिवेदी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुष्पेन्द्र कुमार एवं एसडीएम राजेश कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

तहसील समाधान दिवस में फरियाद सुनते जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक

जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन फोरलेन सड़क के प्रगति कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर लिया जायजा

फोरलेन सड़क का निरीक्षण करते जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने एयरपोर्ट प्रयागराज से उत्खनन स्थल कौशाम्बी तक निमार्णाधीन फोरलेन सड़क का ग्राम-मखऊपुर से थाना पिपरी होते हुए कसेंदा व अकबरपुर तक की जा रही भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही एवं निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता हंसाराम से अब तक की गई भूमि अधिग्रहण एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही तेजी से पूर्ण कर सड़क निर्माण के कार्य में तेजी से प्रगति लायी जाय। अधिशासी अभियंता ने बताया कि जनपद के अन्तर्गत 31.85 किमी फोरलेन का निर्माण कराया जाना है।

एससी/एसटी एक्ट के अभियुक्त को 01 वर्ष कारावास की सजा

कौशाम्बी। थाना करारी अंतर्गत 11 दिसंबर 2010 को अभियुक्तों द्वारा खडजा पर भैंस बांधने को लेकर वादिनी के साथ मार-पीट गाली-गलौज जान से मारने की धमकी व जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मुकदमा एससी/एसटी एक्ट पंजीकृत किया गया था जिसके अभियुक्त राजाबाबू शुक्ला पुत्र ओमप्रकाश निवासी अवाना आलमपुर थाना करारी को न्यायालय स्पेशल जज एससी/एसटी एक्ट द्वारा शासन की प्राथमिकता के आधार पर गम्भीर एवं जघन्य अपराधों में पैरवी कर अभियुक्त को सजा दिलाने के क्रम मे प्रभावी पैरवी कराते हुए मानिटरिंग सेल के माध्यम से एक वर्ष कारावास तथा 4000 रुपए के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मंझनपुर पुलिस बल द्वारा वांछित अभियुक्त रमेश चन्द्र पुत्र धर्मपाल निवासी देवी दयाल का पुरवा थाना मंझनपुर को ओसा कोडर तिराहा के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

बैठक में उपस्थित व्यापारी

व्यापारियों के साथ अधिशासी अधिकारी ने की बैठक, सुनी समस्याएं

अझुवा कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा के रैन बसेरे में अधिशाषी अधिकारी अझुवा सुभाष चन्द्र सिंह ने व्यापारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुन कर जिम्मेदारों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है व्यापारियों और नागरिकों ने अधिशाषी अधिकारी अझुवा से खुली नालियों पर चटिया बिछाई जाने की मांग की है जिससे हो रही दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके ,राष्ट्रीय राजमार्ग के नाले में तमाम कचड़ा जमा है जिसे निकलवाने की मांग की है वहीं अधिशाषी अधिकारी अझुवा सुभाष चन्द्र सिंह ने कहा एनएचआई को पत्र जारी कर नाला साफ करवाया जाएगा नगर पंचायत की जो भी समस्याएं हैं उनका गुणवत्तापूर्ण समाधान किया जाएगा नगरवासियों ने अवैध अतिक्रमण हटाने की भी मांग की है।

दबंगों ने दलितों को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के काजू गांव में रविवार की दोपहर दलितों पर दबंगों ने कहर ढाया है दबंगों ने दलित को घर के अंदर बंधक बनाकर बेरहमी से पिटाई की है थाने में सूचना देने के बाद दलितों की सुनवाई पुलिस ने नहीं की है मामले की सूचना पीड़ित दबंगों ने तहसील समाधान दिवस में अधिकारियों को देकर दबंगो पर मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है दबंगों के आतंक अत्याचार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अधिकारियों को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में बृजेश पासी पुत्र लल्लू पासी ने बताया कि रविवार की दोपहर उनके पिता को गांव के दबंग समीर सिंह और अनिल सिंह ने घर के भीतर बंधक बना लिया और लोहे के रॉड से बेरहमी से पिटाई की है पीड़ित परिजन का कहना है कि उनके घर के सामने सरकारी जमीन तालाब को खोदकर उसकी मिट्टी समीर सिंह ने बेच दी है जिससे दलित परिवार के लोगों को आने-जाने का रास्ता बंद हो गया है इस बात की शिकायत की गई इसी से खुन्नस खाकर समीर सिंह अनिल सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर बंधक बनाकर बेरहमी से पिटाई की है।

अर्टिगा कार की टक्कर से अधेड़ की मौत

अस्पताल के बाहर मौजूद परिजन

चोरी की घटना की जांच करती पुलिस

अखंड भारत संदेश

कल्याणपुर कौशांबी। थाना कोखराज के चौकी टेडीमोड शहजादपुर के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 2 के केशवापुर मजरा बम्हरौली निवासी कैलाश पुत्र स्वर्गीय राजाराम उम्र लगभग 45 वर्ष अपने घर खाना खाने के लिए उत्तर से दक्षिण की तरफ रोड पार करते समय सैनी की तरफ से कोखराज की ओर जा रही तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे ब्यक्ति सड़क पर गिर पड़ा है और लहूलुहान हो गया है टक्कर मारने के बाद कार सवार फरार हो गया है जिससे कैलाश गंभीर रूप से घायल हो गया टक्कर इतनी जोरदार थी कि रोड के किनारे बसे लोग दौड़े ।कैलाश रोड पर तड़प रहा था ग्रामीणों ने इलाज हेतु उसे तुरंत निजी अस्पताल में ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया है।ग्रामीणों ने चौकी पुलिस को सूचित किया मौके पर पहुंच कर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मॉर्टम को भेज दिया घटना रविवार को लगभग 7 बजे शाम की है। परिवार वालो का रो रो कर बुरा हाल है।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक ने लगाई फांसी

कल्याणपुर कौशांबी। थाना कोखराज के चौकी टेडीमोड के अंतर्गत टेंगाई ग्राम के जंगल में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पेड़ से लटकता हुआ मिला।ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पीएम को भेज दिया है खबर लिखे जाने तक युवक की पहचान नहीं हो सकी है पुलिस जांच में जुटी है।

स्वागत कार्यक्रम में मौजूद मनौरी व्यापार मंडल

नवागंतुक पिपरी थानाध्यक्ष का मनौरी व्यापार मण्डल द्वारा भव्य स्वागत और पूर्व थानाध्यक्ष की भावभीनी विदाई

मेरा क्षेत्र मेरा परिवार है मैं प्रयास करूंगा की मेरे परिवार वालो के चेहरे पर हमेशा खुशी रहे : विनीत सिंह

मनौरी कौशाम्बी। जनपद कौशांबी के महमूदपुर मनौरी बाजार के छोटेलाल वाटिका में मनौरी व्यापार मण्डल अध्यक्ष सुधीर केसरवानी व राधे श्याम केसरवानी के अगुवाई में नवागंतुक थानाध्यक्ष विनीत सिंह का भव्य स्वागत किया गया और साथ ही साथ पूर्व थानाध्यक्ष श्रवण कुमार को अंगवस्त्र व फूलमाला पहना कर विदाई भी किया गया। पिपरी थानाध्यक्ष के स्वागत के दौरान मनौरी बाजार में आ रही समस्या से अवगत कराया गया आने वाले त्योहार होली पर आ रही समस्या के बारे में विशेष टिप्पणी की गई स्वागत कार्यक्रम में मुख्यरूप से वरिष्ठ समाजसेवी शंभू लाल केसरवानी,उमेश कुमार उर्फ दीपू केसरवानी,जगदीश चंद्र केसरवानी,नरोत्तम दास केसरवानी, रतन कुमार,प्रदीप कुमार,अंकित कुमार,रिंकू केशवानी,मोहन लाल केसरवानी, शरद कुमार,भारत लाल,अरुण कुमार,संदीप कुमार,गिरीश चंद्र गुप्ता आदि सैकड़ों की संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में दो पक्षों की बीच चले लाठी डंडे, ईंट पत्थर, कई जखमी

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में दो दिन पहले बाइक लेकर निकलने के मामले को लेकर आपसी कहासुनी के बाद दो पक्षों के बीच लाठी डंडे व ईंट पत्थर चलने लगे जिसमे दोनो पक्षों से कई लोग जख्मी हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए भर्ती करा आगे की कार्यवाही में जुट गई है। सैनी कोतवाली क्षेत्र के डोरमा का मजरा कन्नूपर गांव निवासी राजेश पुत्र मेवालाल का आरोप है की उसका पड़ोसी रोहित पुत्र सुग्गन तीन दिन पहले उसके दरवाजे से बाइक स्टंट करते हुए निकला जिसका विरोध राजेश के परिवारवालों ने किया तो रोहित व उसके घरवालों ने गाली गलौच देने लगे जिसका विरोध करने पर लाठी डंडे , ईंट पत्थर चलाने लगे , वही दूसरे पक्ष के रोहित पुत्र सुग्गन का आरोप है की बाइक लेकर निकला तो राजेश अपने साथियों संग उसके साथ मारपीट की। जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर दो दिन पहले हुए विवाद को लेकर दोनो पक्षों के बीच आपसी कहासुनी के बाद लाठी , डंडा व इंट पत्थर चलाते हुए एवं असलहा लहराने लगे जिसमे एक पक्ष से राम सुग्गन पुत्र धर्मपाल व दूसरे पक्ष से राजेश पुत्र मेवालाल, श्यामलाल पुत्र हरिलाल एवं वन्दना पत्नी श्यामलाल जख्मी हो गए ।सूचना पर पहुंची सैनी कोतवाली पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए एंबुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल में भर्ती करा आगे की कार्यवाही में जुट गई है । वही सुग्गन पुत्र धर्मपाल को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र कड़ा से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

खूनी संघर्ष के बाद घटनास्थल की जांच करती पुलिस

अवैध असलहे से भी फायरिंग करने का आरोप, सैनी कोतवाली पुलिस ने घायलों को भर्ती करा कार्रवाई में जुटी

एसपी ने पांच एसआई के कार्यक्षेत्र में किया परिवर्तन

कौशाम्बी। जिले में कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुत बनाये रखने हेतु एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने 05 एसआई के कार्य क्षेत्र में परिवर्तन किया है।एसपी ने एसपी थाना संदीपन घाट थाना प्रभारी रहे एसआई अभिषेक गुप्ता की तैनाती को परिवर्तित करते हुए उन्हें अझुवा का चौकी प्रभारी बनाया है,वही अझुवा चौकी प्रभारी रहे गौरव त्रिवेदी को पुलिस चौकी मूरतगंज का इंचार्ज बनाया है।कोखराज थाना में तैनात रहे सूर्यबली पांडेय को चौकी प्रभारी बेनीराम कटरा बनाया है,चौकी प्रभारी सिविल लाइंस रहे आदित्य कुमार को चौकी प्रभारी उदिहीन बाजार बनाया गया है और उदिहिन बाजार चौकी प्रभारी रहे राम आजीवन साहू को महिला संबंधी अपराध अनुश्रवण के पद पर तैनात किया है।

वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना सैनी पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त वीरेन्द्र कुमार पुत्र राजाराम पाल निवासी साढ़ो थाना सैनी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

न्यूज झरोखा

सेंधकाट कर घर का सामान उठा ले गए चोर

कौशांबी। मोहब्बतपुर पैसा थाना क्षेत्र के अफजलपुर वारी गांव में बीती रात सूरज दिन पासी के घर सेंध काटकर के चोर घर के अंदर घुसे और घर के अंदर रखें नगदी जेवर कपड़ा आदि सामान उठा ले गए हैं घटना की जानकारी परिजनों को सुबह हुई है मामले की जानकारी परिजनों ने पुलिस को दी है खबर लिखे जाने तक किसी नतीजे तक पुलिस नहीं पहुंची है बताया जाता है कि इसके पहले भी क्षेत्र के कई घरों में चोरी की घटना को अंजाम देकर चोर फरार हो चुके हैं

कान्हा गौशाला का ईओ शैलेंद्र कुमार मिश्र ने किया निरीक्षण

हर्रायपुर कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी के ईओ शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने सोमवार को कान्हा गौशाला का अचानक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान कान्हा गौशाला में कई कमियां पाई गई जिस पर अधिषासी अधिकारी का पारा गरम हो गया और उन्होंने देखरेख करने वाले कर्मचारियों को जानकर फटकार लगाई उन्होंने कहा कि गौशाला में किसी प्रकार की खामियां बर्दाश्त नहीं की जाएगी समय से गायों को भूसा चारा पानी देने का निर्देश दिया।

थानाध्यक्ष करारी ने पुलिस बल के साथ कस्बा में किया फ्लैग मार्च

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में थाना प्रभारी चन्द्र भूषण मौर्य ने सोमवार की शाम को करारी कस्बा में स्थानीय थाना करारी के फोर्स के साथ फ्लैग मार्च किया और लोगों से उन्होंने शान्ति व्यवस्था बनाए रखने की अपील भी किया।चौराहे पर बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों को हिदायत देकर छोड़ दिया गया। गश्त के दौरान उपनिरीक्षक गिरिजाशंकर यादव , उपनिरीक्षक विश्वनाथ पाल , कस्बा प्रभारी विपलेश सिंह, सिपाही मुकेश यादव , मो0 आरिफ महिला सिपाही गुड्डी देवी , मोनिका सिंह आदि पुलिस बल मौजूद रही।

फाइनल मुकाबले में शान टेंट हाउस ने हाजीपुर पतौना को 2 रन से हराया

अखंड भारत संदेश

टूर्नामेंट कार्यक्रम में मौजूद खिलाड़ी

कौशाम्बी। नूह नारवी क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला शान टेंट हाउस और हाजीपुर पतौना के बीच रविवार को गंभिया मैदान नारा गांव में खेला गया। जिसमें शान टेंट हाउस की टीम ने निर्धारित तीन ओवर में 31 रन बनाया। पतौना टीम जवाब में 29 रन ही बना सकी निर्धारित तीन ओवर में और अंतिम ओवर में कसी हुई बालिंग कराकर इरशाद खान ने शानदार जीत दिलाई।शान टेंट हाउस टीम के आज के फ्रेंचाइजी सोहेल अहमद उर्फ पप्पू ने इनाम हासिल किया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज जुल्फेकार ने दो छक्के और एक चौके की मदद से 17 रन बनाया। विजयी टीम के फ्रेंचाइजी रहे सोहेल अहमद उर्फ पप्पू को जिला पंचायत वार्ड नम्बर तेरह के सदस्य अजय सोनी और पत्रकार रतीभान मौर्य ने सम्मानित किया। शान टेंट हाउस की तरफ से पहला ओवर सत्यम ने करते हुए 13रन देकर 2 विकेट हासिल किया।और दूसरा ओवर ओलंगा ने किया जिसमे 10रन देकर ओलंगा ने 3 विकेट हासिल किया।वही अंतिम ओवर इरशाद खान ने किया जिसमें महज 6 रन देकर दो विकेट हासिल कर शान टेंट हाउस को जीताने में अहम भूमिका रही। इरशाद खान ने तीन शानदार कैच भी पकड़ा।शानदार कैच पकड़ने पर पत्रकार रतीभान ने 200,जब्बार खान 100,हाफिज अब्दुल मन्नान ने 100 रुपया इनाम देकर हौसला अफजाई किया।मैच में शानदार कमेंट्री तौसीफ आरिफ महताब आलम,मोहम्मद नाजिम ने किया। इस मैच में दर्शक दीर्घा में हलीम अहमद, खालिक अंसारी, बबलू सोनकर, अजय सोनकर बड़कू सोनकर,जावेद,रुआब,कौनैन समेत तमाम छेत्रवासी एवम ग्रामीण मौजूद रहकर खेल का आनंद लिया।

कालेज के पास अचेत अवस्था में मिला युवक

कौशाम्बी। जिले के कड़ाधाम थाना क्षेत्र के देवीगंज कस्बे के एक कालेज के पास एक 24 वर्षीय युवक अचेतावस्था में मिलने से हड़कंप मच गया।कालेज के कर्मचारियों ने युवक के मुंह से झाग निकलते हुए देखा तो फौरन उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के गडरिया पुर निवासी छोटेलाल का 24 वर्षीय पुत्र राहुल सोमवार को देवीगंज के गंगा प्रसाद साहू इंटर कॉलेज के समीप अचेतावस्था में पड़ा हुआ मिला। कालेज के कर्मचारियों ने युवक को देखा तो तत्काल मौके पर पहुंचे और युवक के मुंह से झाग निकलते देख कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई, उन्होंने आनन-फानन में युवक को सीएचसी कड़ा में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।बताया जा रहा है की युवक ने प्रेम प्रसंग के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया है,अस्पताल के डॉक्टर असलम ने बताया कि प्वाजनिंग का मामला है हालत नाजुक है जिसे जिला अस्पताल भेजा गया है।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक

जीवन कौशल प्रशिक्षण के चतुर्थ चरण का हुआ समापन

जीवन कौशल हमें विभिन्न परिस्थितियों का सामना करने का दृष्टिकोण एवं क्षमतायें प्रदान करते हैं

कौशाम्बी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंझनपुर कौशाम्बी में पांच दिवसीय जीवन कौशल प्रशिक्षण के द्वितीय बैच का समापन हुआ। उक्त प्रशिक्षण का आयोजन राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश के आदेश के क्रम में उपशिक्षा निदेशक /प्राचार्य डायट कौशाम्बी के द्वारा आयोजित कराया गया। उक्त प्रशिक्षण का उद्देश्य विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा निर्धारित 10 कौशलों स्वजागरूकता,पारस्परिक सम्बन्ध कौशल, सृजनात्मक चिंतन, समलोचनात्मक चिंतन,समप्रेशन कौशल, समानुभूति कौशल, समालोचनात्मक कौशल आदि की निपुणता पर आधारित था।कार्यक्रम का संचालन संयोजक कौशलेन्द्र मिश्र एवं डॉ वंदना सिंह प्रवक्ता डायट द्वारा किया गया। प्रशिक्षण सत्रों में संदर्भदाता प्रियदर्शनी तिवारी व ऋचा शर्मा द्वारा विभिन्न सत्रों में परिषदीय शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।शिक्षकों ने फीड बैक सत्र के दौरान इस प्रशिक्षण को व्यावहारिक,शैक्षणिक एवं जीवनपयोगी बताया गया।

संपादकीय

संतों और नेताओं की मिलीभगत ?

भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के बयान पर हमारे अखबारों और टीवी चैनलों ने कोई ध्यान नहीं दिया। नड्डा सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष हैं और जिस मुद्दे पर उन्होंने भाजपा को संबोधित किया है, वह मुद्दा उन सब मुद्दों से ज्यादा महत्वपूर्ण है, जो अन्य नेतागण उठा रहे हैं। वह मुद्दा है- हिंदू राष्ट्र, हिंदू-मुस्लिम, हिंदू धर्मगुरुओं जैसे मुद्दों पर बयान आदि का। कई अन्य मुद्दे जैसे अडाणी, बीबीसी, शिवसेना, त्रिपुरा चुनाव आदि पर भी जमकर तू-तू-मैं-मैं का दौर चल रहा है। यह सब तात्कालिक मुद्दे हैं लेकिन जिन मुद्दों की तरफ भाजपा अध्यक्ष ने इशारा किया है, उनका भारत के वर्तमान से ही नहीं, भविष्य से भी गहरा संबंध है। यदि भारत में सांप्रदायिक विद्वेष फैल गया तो 1947 में इसके सिर्फ दो टुकड़े हुए थे, अब इसके सौ टुकड़े हो जाएंगे। इसके शहर-शहर, गांव-गांव और मोहल्ले-मोहल्ले टूटे हुए दिखाई पड़ेंगे। हमारे कुछ युवा, जो पर्याप्त पढ़े-लिखे नहीं हैं और जिन्हें इतिहास का ज्ञान भी नहीं है, वे लाखों लोगों को अपना ज्ञान बांटने पर उतारू हैं। लोगों ने उन्हें ह्यबाबाह्ल बना दिया है। उन्हें खुद पता नहीं है कि वे अपने भक्तों से जो कुछ कह रहे हैं, उसका अर्थ क्या है? यह हो सकता है कि वे किसी का भी बुरा न चाहते हों लेकिन उनके कथन से जो ध्वनि निकलती है, वह देश में संकीर्ण सांप्रदायिकता की आग फैला सकती है।

जो भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का दावा करते हैं, उन बाबाओं से आप पूछें कि आपको हिंदू शब्द की उत्पत्ति और अर्थ का भी कुछ ज्ञान है। ऐसे बाबाओं को तो आप शून्य का अंक दे देंगे। हमारे नेताओं का भी यही हाल है। आजकल हमारे साधु और नेता इतने अधिक नौटंकीप्रिय हो गए हैं कि वे एक-दूसरे की शरण में सहज भाव से समर्पित हो जाते हैं। इसे ही संस्कृत में अहो रूपम्, अहो ध्वनि का भाव कहते हैं। यानी गधा ऊंट से कहता है कि वाह! क्या सुंदर रूप है, तेरा? और ऊंट गधे से कहता है कि ह्यक्या मधुर है, तेरी वाणी? इसी घालमेल के विरुद्ध नड्डा ने अपने सांसदों को चेताया है। अपने आप को परम पूज्य और महर्षि कहलवाने वालों को मैंने कई भ्रष्ट नेताओं के चरण-चुंबन करते हुए देखा है। ऐसे कई संत बलात्कार, व्यभिचार, ठगी, हत्या आदि कुकर्मों के कारण आजकल जेलों में सड़ रहे हैं। इन संतों के आगे दुम हिलाते हुए नेताओं को किसने नहीं देखा है? संत और नेता दोनों ही अपनी दुकानें चलाने के लिए अघोषित गठजोड़ में बंधे रहते हैं। यही गठजोड़ जरूरत पड़ने पर सांप्रदायिकता, भविष्यवाणियों और चमत्कारों का जाल बिछाता है और साधारण लोग इस जाल में फंस जाते हैं। भाजपा के अध्यक्ष ने अपने सांसदों को जो सबक दिया है, वह सभी पार्टियों के नेताओं पर भी लागू होता है। भाजपा अध्यक्ष ने अपने सांसदों को जो चेतावनी इस दौर में दी है, उसके लिए वे सराहना के पात्र हैं।

बौद्धिक पलायन भारत की अर्थव्यवस्था पर चोट

संजीव ठाकुर

विगत दो दशकों में प्रतिभा पलायन भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है शिक्षा के क्षेत्र में बड़े शिक्षा संस्थानों में भारी-भरकम खर्च के बाद शिक्षित युवक विदेशों में अपनी सेवाएं प्रदान करने को सदैव तत्पर रहते हैं इसका बड़ा कारण विदेशी मुद्रा की कमाई और विदेशी चकाचौंध के तरफ आकर्षण ही होता है' इससे भारत के आर्थिक तंत्र पर बड़ा भार प्रत्यारोपित होता है' इतना खर्च कर के पढ़ाई करने के बाद भारतीय युवा मस्तिष्क भारत के विकास में योगदान न दें तो देश के लिए विडंबना की भांति है' भारत के इतिहास पर नजर डालें, तो नालंदा,तक्षशिला, शांति निकेतन,और पाटलिपुत्र जैसे बड़े शिक्षा के केंद्र रहे हैं। सदैव अलग-अलग देशों से शिष्य शिक्षा प्राप्त करने भारत आते रहे हैं। अब ऐसा क्या हो गया है कि भारत से तकनीकी, चिकित्सकीय और संचार माध्यमों, मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए भारत से लगभग दो से ढाई लाख छात्र विदेश में पढ़ने के लिए जाने लगे हैं। वही भारत सरकार का सदैव प्रयास रहा है की विदेशी छात्र हिंदुस्तान में पढ़ाई के लिए देश में आए और और हिंदुस्तानी डिग्री लेकर अपने देश में लौटे। इस तरह भारत सरकार द्वारा भारत को एक बड़ा शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। और किसके लिए एक अभियान फेलोशिप कार्यक्रम चलाया गया है। इसके अलावा सरकार द्वारा एक प्रोजेक्ट डेस्टिनेशन इंडिया भी शुरू किया गया है। जिसके अंतर्गत विदेशी छात्रों की प्रवेश की प्रक्रिया को अत्यंत सरल सुगम बनाना है जिससे ज्यादा से ज्यादा छात्र भारत में पढ़ कर डिग्री हासिल करें अभी वर्तमान में भारत में आसियान देशों के निवासी छात्रों की संख्या लगभग सवा दो लाख के करीब है मानव संसाधन विभाग द्वारा इसे आगामी वर्षों में चार गुना करना चाहती है। आसियान देशों के छात्र भारत में पढ़ने से थोड़ा हिचकिचाते भी हैं,जिसके अनेक कारणों में से अपराधिक गतिविधियां, प्रदूषण, गर्मी, प्रवेश की लंबी लंबी प्रक्रिया, और भारतीय डिग्री की मान्यता नहीं होना भी शामिल है भारत में बारह से चौदह ऐसे शिक्षा संस्थान हैं, जो विश्व के 200 मान्यता प्राप्त संस्थानों में शामिल हैं। भारत में शिक्षा प्राप्त करना कम खर्च में संभव है, पर भारत के छात्र अमेरिका,ऑस्ट्रेलिया, कनाडा,सिंगापुर में पढ़ना चाहते हैं जहां पढ़ने का खर्च डॉलर में यहां से चार गुना पड़ता है। जबकि भारत में आए छात्रों का पढ़ाई तथा खाने-पीने रहने का खर्च लगभग एक चौथाई होता है, फिर भी भारत के अभिभावक अपने बच्चों को विदेश भेजने में वरीयता देते हैं।भारत द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है।

क्या सच में ही हाइजैक हो रहा है देश का लोकतंत्र

डॉ उमेश प्रताप वत्स

आइसलैंड दुनिया का सबसे पुराना संसदीय लोकतंत्र है किंतु भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। निसंदेह लोकतंत्र में व्यक्ति और समाज की भूमिका का बहुत बड़ा महत्व होता है। व्यक्ति को अपने निज के विकास एवं समाज के विकास के लिए कानून द्वारा कुछ अधिकार दिये जाते हैं जिनका प्रयोग कर वह अपने देश के उत्थान में अपनी निज भूमिका का भलीभांति निर्वहन करता हुआ कर सकता है । लोक गणराज्य को सुदृढ़ करने के लिए चार प्रमुख तत्वों की अत्यंत आवश्यकता रहती है। पहला, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के माध्यम से सरकार को चुनने और बदलने की प्रणाली। दूसरा , राजनीति और समाज में देशवासियों की सक्रिय भागीदारी। तीसरा, सभी नागरिकों के मानवाधिकारों का संरक्षण और चौथा है कानून का व्यवस्थित शासन। आज जरा-जरा सी बात पर लोकतंत्र को खतरा बताया जाना आम हो गया है। यद्यपि लोग अपने-अपने तरीके से इसकी व्याख्या करने में लगे हैं। जेएनयू से अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर शुरू हुआ विवाद, शाहीन बाग विवाद , सीएए , एनआरसी लागू करने का प्रयास आदि चाहे जो भी कार्य हो एक विशेष बुद्धजीवी वर्ग सदैव कहता आया है कि लोकतंत्र खतरे में है। यह भी सत्य है कि निजी हित को लोकतंत्र का खतरा बताने से बड़ा खतरा लोकतंत्र के लिए कुछ और नहीं हो सकता। अच्छा तो यही है कि हमें अपने निजी मामलों की समस्याओं का हल संवैधानिक तरीके से स्वयं ही निकालना चाहिए न कि हर बार लोकतंत्र खतरे में है यह कह कर सारा आरोप मढ़ने में ऊर्जा व्यय करें। इन सब में हर बार ही लोकतंत्र को घसीटना किसी भी तरह से न्यायोचित नहीं लगता। आज आलम यह है कि देश में सुधार करने के लिए थोड़ी सख्ती हो जाये तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाता है । विदेशी फंडिंग पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया जाये तो लोकतंत्र खतरे में आ जाता है । भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई हो , इडी अथवा सीबीआई सख्ती करें तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाता है । नोटबंदी हो या जीएसटी लगाई जाये तो लोकतंत्र खतरे में आ जाता है । विदेशों में बसे भारतीयों को शरण देने के लिए सीएए लागू किया जाये तो पहले तो विरोध के नाम पर पूर्वनियोजित हिंसा की जायेगी ,राजकीय संपत्ति को अग्नि के भेंट किया जायेगा और जब इन हिंसक घटनाओं को अंजाम देने वालों पर कानूनी शिकंजा कसा जाये तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाता है । कई बार बहुत आश्चर्य होता है कि आखिर हो क्या गया है देश के बुद्धिजीवी लोगों कि देश के विरुध्द प्रत्येक षड्यंत्र का वे समर्थन करते हैं और राष्ट्रीयता उन्हें क्यों रास नहीं आती। किसान आंदोलन के नाम पर देश की राजधानी को चारों ओर से बंधक बना दिया गया और आम नागरिक को बहुत सताया गया तब लोकतंत्र खतरे में नहीं पड़ा । सभी राजनैतिक दल आंदोलन में जाकर भोले-भाले किसानों की भीड़ को भड़काने ,उकसाने का काम करते थे तब लोकतंत्र खतरे में नहीं पड़ा । किसानों को ढाल बनाकर नक्सलवादियों ने देश की अस्मिता लाल किले पर चढ़कर तलवारबाजी की ,ट्रैक्टरों से सुरक्षाकर्मियों को कुचलने के कुचक्र चलाये तब लोकतंत्र खतरे में नहीं था । कश्मीर में आये दिन हिंदु-मुस्लिम महिलाओं के अपहरण होते थे ,रेप होते थे तब वह खुशहाल था और आज वहां की जनता खुली हवा में साँस ले रही है तो लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है । मुझे लगता है कि देश के मौन बैठे सज्जन विद्वान लोगों को अपनी कलम उठाकर खुशहाल लोकतंत्र की परिभाषा पुनः गढ़नी पड़ेगी । आज देश में जनता परेशान हो अथवा जीवनयापन में कठिनाई हो रही हो तो नेता बंधुओं पर इसका फर्क नहीं पड़ता अपितु बीबीसी का सर्वे क्यों हो रहा है , हिडनबर्ग की कार्रवाई को क्यों नहीं माना जा रहा या फिर पाकिस्तान में बदहाली है तो इसकी चिंता अधिक है ,उसके लिए मरे जा रहे हैं। फर्क पड़े भी तो क्यों? सच तो यह है कि हमारे जनप्रतिनिधियों को किसानों व गरीबों के वास्तविक हालात का सही अंदाजा ही नहीं है। इसका प्रमाण कई बार ये नेतागण जनता को दे चुके हैं। आज देश में ट्वीट युद्ध चल रहा है और देश विरोधी ट्विट को मीडिया भी खूब हवा देता आया है वो अलग बात है कि फिर भी मीडिया को बंधक बताया जाता है। जिसके ट्विटर पर जितने अधिक फॉलोवर्स, वह उतना ही बड़ा योद्धा माना जाता है और फॉलोवर्स बढ़ाने के लिए अनेक प्रकार के जुगाड़ सैट किये जाते हैं। अभी एक रिपोर्ट में राहुल गांधी के 69 प्रतिशत पॉलोअवर फर्जी पाये गए और इसी तरह शशि थरूर के 62 प्रतिशत फॉलोवर फर्जी पाये गये। रूस इंडोनेशिया व कजाकिस्तान के लोग राहुल गांधी के ट्वीट को रिट्वीट करते हैं । पता नहीं आपस में इनकी क्या सैटिंग है। अधिक फॉलोवर्स दिखाकर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर यह दशार्ने का प्रयास किया जाता है कि देश की जनता भारत सरकार की एक सुर में विरोध कर रही है। संसद सत्र में एक दिन में ही करोड़ों रुपये का खर्च आता है । किंतु विरोध का तरीका इतना घिनौना हो चुका है कि जिस संसद में नीतियों पर बहस होनी चाहिए वहां नीतिगत आदेशों की कॉपियों को फाड़कर बच्चों की तरह हवा में उड़ाया जाता है। महामहिम , संसदीय अध्यक्ष अन्य सम्मानित जनों का अपमान किया जाता है तथा ससंद को आये दिन ठप्प किया जाता है। जिस भारत में कर्ज में डूबा किसान आत्महत्या करने को अभिशप्त है उसी देश के सांसदों-विधायकों को मिलने वाले वेतन व सुविधाएं यहां की गरीबी का मजाक उड़ाने के लिए काफी हैं। ऐसा इसलिए नहीं है कि उनको काफी सहूलियत या सुविधाएं दी जा रही हैं, बल्कि इसलिए है कि प्रचलन से बाहर हो चुकी सुविधाओं के नाम पर माननीयों को भत्ते का भुगतान आज भी किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार सांसदों का वेतन 50 हजार प्रतिमाह है। इनको मिलने वाले दूसरे भत्तों को जोड़ दें तो उनका वेतन महीने में लाख से ऊपर पहुंच जाता है। किसी भी सांसद को उसका वेतन और भत्ता मेंबर ऑफ पार्लियामेंट एक्ट 1954 सैलरी, अलाउंस और पेंशन के तहत दिया जाता है। सांसदों को दैनिक भत्ते के रूप में रोजाना दो हजार रुपए मिलते हैं। संवैधानिक भत्ते के रूप में प्रति महीने 45 हजार रुपए का भुगतान किया जाता है। कार्यालय व्यय भत्ते के नाम पर एक सांसद को प्रतिमाह 45 हजार रुपए मिलता है। इसमें से वह 15 हजार रुपए स्टेशनरी और पोस्ट आइटम्स पर खर्च कर सकता है। इसके अलावा अपना सहायक रखने पर वह 30 हजार रुपए खर्च कर सकता है। इन सबके बावजूद किसी पार्लियामेंट सेशन, मीटिंग या इस ड्यूटी से जुड़ी किसी बिजनेस मीटिंग को अटैंड करने के लिए सांसद को कहीं बाहर जाना हो तो इसके लिए भी उन्हें यात्रा भत्ता दिया जाता है। इसमें रेल, हवाई व बाय रोड यात्रा शामिल है। इसी तरह तीन टेलीफोन, बिजली-पानी, स्वास्थ्य संबंधी सुविधा, वाहन खरीद के लिए खर्च, इनकम टैक्स सुविधा व आवासीय भत्ता जैसी सुविधाएं लगभग मुफ्त के बराबर हैं। ऐसे में सवाल यह है कि जिन माननीयों को इतनी सारी सुविधाएं बिलकुल मुफ्त मिल रही हों उनको गरीब और गरीबी का अहसास कैसे होगा। गरीबी को समझने के लिए जमीन से जुडना जरूरी होता है, लेकिन बिडंबना यह है कि गरीबों की मेहनत का धन ये संसद ठप्प करके हवा में उड़ा रहे हैं। आखिर यह कब तक चलेगा। माना तो यह जाता है कि लोकतंत्र में जनता ही सत्ताधारी होती है, उसकी अनुमति से शासन होता है, उसकी प्रगति ही शासन का एकमात्र लक्ष्य माना जाता है परंतु लोकतंत्र विरोध के लिए विरोध करना होकर रह गया है। तथाकथित अन्तर्राष्ट्रीय वी-डेम इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट में भारत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र से चुनावी निरंकुशता में तब्दील हो जाने का दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोदी की अगुवाई वाली सरकार अपने आलोचकों को चुप कराने के लिए राजद्रोह, मानहानि और काउंटर टेररिज्म जैसे कानूनों का इस्तेमाल कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से अब तक सात हजार से ज्यादा लोगों के खिलाफ राजद्रोह का केस दर्ज किया गया है। इनमें ज्यादातर वे लोग शामिल हैं जो सत्ताधारी पार्टी के आलोचक हैं। एक ओर संस्था द इकोनॉमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट (ईआईयू) के सर्वे अनुसार , लोकतंत्र सूचकांक की वैश्विक सूची में भारत 2 स्थान लुढ़ककर 53वें स्थान पर आ गया। सीएए, एनआरसी और जम्मू कश्मीर की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए द इकोनॉमिस्ट ने कहा था, स गिरावट की मुख्य वजह भारत में अभिव्यक्ति स्वतंत्रता की कमी है। अब सवाल यह उठता है कि इन विदेशी संस्थाओं को भारत के लोकतंत्र में इतनी रुची क्यों हैं ?

लोकतंत्र सूचकांक की वैश्विक सूची में भारत 2 स्थान लुढ़ककर 53वें स्थान पर आ गया। सीएए, एनआरसी और जम्मू कश्मीर की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए द इकोनॉमिस्ट ने कहा था, स गिरावट की मुख्य वजह भारत में अभिव्यक्ति स्वतंत्रता की कमी है

सोचिये चैटजीपीटी पर; कितने खतरे, कितने अवसर

प्रियंका सौरभ

चैटजीपीटी, ओपन एआई का नया चैटबॉट, एक 'संवादात्मक' एआई है जो मानव की तरह ही प्रश्नों का उत्तर देता है। यह (जनरेटिव प्री-ट्रेन्ड ट्रांसफार्मर) का एक प्रकार है जो ओपन एआई द्वारा विकसित एक बड़े पैमाने पर तंत्रिका नेटवर्क-आधारित भाषा मॉडल है। चैटजीपीटी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित एक चैटबॉट है जिसका इस्तेमाल सवाल पूछने के लिए किया जा सकता है। इस चैटबॉट को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि प्रश्नों के उत्तर तकनीकी और शब्दजाल मुक्त दोनों हैं। यह एक प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी) मॉडल है जो संवादात्मक डेटा के बड़े कोष के साथ काम करता है। यह मानव जैसी प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न कर सकता है, जिससे उपयोगकर्ता और आभासी सहायक के बीच स्वाभाविक बातचीत हो सकती है। चैटबॉट ह्यूमन फीडबैक (आरएलएचएफ) तकनीक से रेनफोर्समेंट लर्निंग का इस्तेमाल करता है। हालांकि, इसे अधिक मानव-अनुकूल दिखने के लिए बदल दिया गया है। यह जीपीटी-3.5 पर आधारित है, जो एक गहन-शिक्षण भाषा मॉडल है जो मानव-समान पाठ उत्पन्न करता है। क्योंकि यह समय के साथ बेहतर होता है और मशीन लर्निंग के माध्यम से प्रश्नों को बेहतर ढंग से समझता है, भविष्य में तकनीक एक ही प्रश्न के लिए अलग-अलग उत्तर देगी। इसका उपयोग वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों में किया जा सकता है जैसे कि डिजिटल मार्केटिंग, ऑनलाइन सामग्री निर्माण, ग्राहक सेवा प्रश्नों का उत्तर देना या जैसा कि कुछ उपयोगकताओं ने पाया है, यहां तक कि डिबग कोड की सहायता के लिए भी। मानव बोलने की शैली की नकल करते हुए बॉट कई तरह के सवालों का जवाब दे सकता है। इसे बेसिक ईमेल, पार्टी प्लानिंग लिस्ट, सीवी और यहां तक कि कॉलेज निबंध और होमवर्क के प्रतिस्थापन के रूप में देखा जा रहा है। इसका उपयोग कोड लिखने के लिए भी किया जा सकता है, जैसा कि उदाहरण दिखाते हैं। चैटबॉट ग्राहक सेवा प्रदान करने और सप्ताह में 7 दिन 24 घंटे सहायता प्रदान करने के लिए सुविधाजनक हैं। वे फोन लाइनों को भी मुक्त करते हैं और लंबे समय में समर्थन करने के लिए लोगों को काम पर रखने की तुलना में बहुत कम खचीर्ला है। एआई और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण का उपयोग करते हुए, चैटबॉट यह समझने में बेहतर होते जा रहे हैं कि ग्राहक क्या चाहते हैं और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। कंपनियां चैटबॉट्स को भी पसंद करती हैं क्योंकि वे ग्राहकों के प्रश्नों, प्रतिक्रिया समय, संतुष्टि आदि के बारे में डेटा एकत्र कर सकते हैं। ओपन आई जैसी कंपनियां सीमित रिलीज रणनीतियों के माध्यम से अंतरिक्ष को स्व-शासन कर रही हैं, और मॉडल के निगरानी वाले उपयोग, हालांकि, स्व-शासन हेरफेर की संभावना छोड़ देता है। उन कार्यों का संचालन जो पहले मनुष्यों द्वारा किए जाते थे, जैसे कि समाचार लेख लिखना या संगीत रचना करना से नौकरी छूटने का डर बनेगा। मानव अनुभूति की कम आवश्यकता से छोटे बच्चे जो अपना होमवर्क करने के लिए एआई को अपने मित्र के रूप में देखेंगे। बौद्धिक संपदा और कॉपीराइट के आसपास के मुद्दे जेनेरेटिव एआई मॉडल के पीछे के डेटासेट आम तौर पर जीवित कलाकारों से सहमति मांगे बिना इंटरनेट से स्क्रैप किए जाते हैं या अभी भी कॉपीराइट के तहत काम करते हैं। सूचनाओं में हेर-फेर करके, नकली पाठ, भाषण, चित्र या वीडियो बनाकर गलत सूचना और अविश्वास का डर, कुछ कंपनियों के हाथों में सत्ता के संकेन्द्रण का डर, उन्नत क्षमताओं के साथ स्वचालित ट्रोल बॉट्स का उपयोग करके राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करेगा। जनरेटिव एआई मॉडल को अधिक पारदर्शी बनाने की आवश्यकता है, ताकि जनता यह समझ सके कि मॉडल कैसे और क्यों कुछ निर्णय ले रहा है। पूर्वाग्रह को कम करने के लिए विविध प्रशिक्षण डेटा के साथ-साथ निष्पक्षता बाधाओं या प्रतिकूल प्रशिक्षण जैसी तकनीकों का उपयोग करना होगा। लोगों की गोपनीयता सुनिश्चित करना जरूरी है। एक नामित "एआई नीतिशास्त्री" या "एआई लोकपाल" का उपयोग करके बिगटेक कंपनियों के जवाबदेह शासन लाना होगा। एक ऐसी प्रणाली को डिजाइन करना जिसमें मनुष्य अंतिम निर्णय लेते हैं और एआई को एक समर्थन प्रणाली के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। जनरेटिव एआई के प्रभाव को कम करने के लिए -श्रम बाजारों में व्यवधान, स्क्रैप किए गए डेटा की वैधता, लाइसेंसिंग, कॉपीराइट और पक्षपाती या अन्यथा हानिकारक सामग्री, गलत सूचना, और इसी तरह की संभावना बढ़ेगी। जबकि जनरेटिव एआई कई क्षेत्रों और कार्यों में एक गेम-चेंजर है, इन मॉडलों के प्रसार को नियंत्रित करने और समाज और अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव को अधिक सावधानी से नियंत्रित करने की एक मजबूत आवश्यकता है। जनरेटिव एआई एक प्रकार की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है जिसमें मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके नई, मूल सामग्री या डेटा बनाना शामिल है। इसका उपयोग पाठ, चित्र, संगीत या अन्य प्रकार के मीडिया उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है। जनरेटिव प्रीट्रेन्ड ट्रांसफॉर्मर (जीपीटी) एक प्रकार का बड़ा भाषा मॉडल (एलएलएम) है जो मानव-समान पाठ उत्पन्न करने के लिए गहन शिक्षा का उपयोग करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटजीपीटी या किसी अन्य एआई प्रौद्योगिकी-आधारित प्लेटफार्म के साथ बंद नहीं होने जा रहा है, यह एक आवश्यकता बनने जा रहा है भविष्य में लाभ उठाने के लिए उपयोगकर्ता को इसका उपयोग करते समय अपने विवेक का प्रयोग करने की आवश्यकता होती है, उन्हीं के तौर-तरीकों के बारे में स्पष्ट होना चाहिए, यदि कोई छात्र निबंध लिखने या बुनियादी संख्यात्मक समस्या को हल करने के लिए इस पर बहुत अधिक निर्भर हो जाता है यह गलत है, हम इससे केवल एक विचार ले सकते हैं और अपने शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं। इसका उपयोग केवल प्रारंभिक जानकारी के लिए एक उपकरण के रूप में किया जाना चाहिए, छात्रों को पूरी तरह से इस पर निर्भर नहीं होना चाहिए।

ये कैसी आध्यात्मिक सेवा ?

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर हजारों वर्षों पूर्व से ही भारतीय आध्यात्मिकता रही है, जिसका कोई अंत नहीं है, यानें मेरा मानना है कि शायद जबसे सृष्टि की रचना हुई है तबसे भारतीय भूमि पर आध्यात्मिकता को महत्व दिया जाता रहा है, क्योंकि पूर्व से पुर्वनतर वाले इतिहास भी भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिकता का जिक्र जरूर होगा। इसलिए शास्त्रों कतेबों एवं और संस्कृतियों में मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, आचार्य देवो भव की शिक्षा दी जाती है। हमारे घर में भी यही सीख दी जाती थी। माता-पिता और गुरु तथा बड़ों का सम्मान करना हमारी ग्रामीण संस्कृति में अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। परंतु बड़े बुजुर्गों द्वारा कही कहावतें वर्तमान परिपेक्ष में अटूट सटीक सत्य प्रमाणित हो रही है कि, समय का चक्र चलते बदलते रहता है जहां शास्त्रों वेदों कतेबों और भारतीय संस्कृति में माता पिता को सर्वश्रेष्ठ गुरु माना गया है उसके बाद आचार्य को पदवी दी गई है। परंतु वर्तमान बदलते परिपेक्ष में बढ़ते आध्यात्मिक ट्रेंड में हमारे मान्यवर श्रद्धेय बाबाओं की संख्या में काफी बढ़ोतरी भी आई है, वही मीडिया में आई जानकारी में हम जानते हैं कि कई पर लंबी कार्यवाही भी हुई है खैर हमारा आज का विषयवस्तु यह नहीं है बल्कि हम चर्चा करेंगे कि आज की औलाद अपने माता पिता से अधिक महत्व अपने श्रद्धेय बाबा, गुरु, आचार्य को दे रहे हैं, अपने घर से अधिक आध्यात्मिक स्थल पर सेवा को अधिक महत्व दे रहे हैं, अपने घर परिवार माता-पिता को तरसाकार अपने आध्यात्मिकता पर अधिक व्यय कर रहे हैं और बड़े रौब से कहते हैं, मैं फलाने आध्यात्मिक स्थल का सेवादार, भगवान ईश्वर अल्लाह का भगत हूं बंदा हूं। परंतु मेरा मानना है, ये कैसी आध्यात्मिक सेवा है? जो माता-पिता को बोझ और अनावश्यक श्रेणी में रखकर उनपर शाब्दिक कटु बाणचलाकर अपने आचार्य के सामने, अपने आध्यात्मिक स्थल पर तन-मन-धन से सेवा करते हैं। मेरा मानना है या तो पाप से भी बड़ा पाप है। इसलिए आज जरूरत है,हमारे श्रद्धेय आध्यात्मिक बाबाओं द्वारा अपने प्रवचनों में माता-पिता की सेवा सर्वश्रेष्ठ पर, बल देना समय की मांग है। साथियों बात अगर हम ऐसे लोगों की करें तो जो माता-पिता घरबार को नजरअंदाज करते हुए आध्यात्मिक क्षेत्र में तथाकथित सेवा करने का दिखावा कर रहे हैं तो, पता नही ! वो लोग भगवान ईश्वर अल्लाह को कैसे पूज लेते है जो मां बाप को एक बोझ और अनावश्यक वस्तु की श्रेणी में रखते हैं। मां बाप तो जीवन के अंतिम पड़ाव में केवल सेवा और प्रेम के दो मीठे वचनों को सुनने के लिए तरसते हैं। खैर !वृद्धावस्था का दंश तो सभी को झेलना ही पड़ता है। श्री गणेश जी ने स्वयं माता पिता को ब्रह्माण्ड सिद्ध कर देवताओं का सिरमोर बना दिया था। श्रीराम ने माता पिता के वचनों की खातिर वनवास स्वीकार लिया था। पत्थर पूजते है, मंदिर जाते है, पूजा पाठ करवाते है, और वो सारी चीजे करते है जिससे हमें लगता है कि हमारा जीवन धन्य हो जाएगा लेकिन क्या हम जानते है कि ईश्वर अल्लाह हमारे पास हमेशा माता पिता के स्वरूप में होता है, बस जरूरी है उन्हें पहचाननें की, अपनी खुशियों का गला घोटकर हमारी सारी ख्वाहिश पुरी करने वाले माता पिता ही थे, जिन्होंने हमें इस समाज में जीने का अधिकार दिलाया।जब वे हमारे लिए इतना कुछ कर सकते है। तो क्या हम नही,मेरा तो ये मानना है, माता पिता के जीते जी उन्हें सारे सुख देना ही वास्तविक श्राद्ध है! हम माँ बाप का सम्मान करें और उन्हें जीते जी खुश रखे। कुछ लोग अपने माता-पिता को एक गिलास पानी भी नहीं दे सकते हैं, किंतु साधु महात्माओं के चरण साफ कर उन्हें क्या हासिल होगा? साथियों आज अधिकांश परिवारों में वृद्ध माता-पिता के जीवित रहने पर उनकी सेवा और चिकित्सा तो दूर, उनके साथ उपेक्षापूर्ण-पीड़ादायक व्यवहार किया जाता है। इतना ही नहीं, उनकी मृत्यु की प्रतीक्षा की जाती है।यह उपेक्षापूर्ण व निष्ठुरव्यवहार सर्वथा अनुचित है। आज वृद्धाश्रमों की बढ़ती हुई संख्या और तीर्थस्थानों में उम्रदराज भिखारियों को देखकर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि वृद्ध माता-पिता की दशा कितनी दयनीय हो गई है। कितनी लज्जा की बात है कि जिन माता-पिता ने अपनी संतान के लिए अनेक प्रकार के कष्ट सहते हुए उन्हें पढ़ाया, सभी सुविधाएं उपलब्ध कराईं, स्वयं दुख सहते हुए संतान को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयत्न किए, वही संतान जीवन के अंतिम समय में उनको छोड़कर दूर रह रही है। युवा यह नहीं जानते कि एक दिन वे भी असहाय वृद्ध होंगे तब वे भी क्या अपनी संतान से इसी व्यवहार की चाह रखेंगे जैसा कि आज वे स्वयं अपने माता-पिता के साथ कर रहे हैं?

जूती खात कपाल

डॉ. सुरेश कुमार

सिर और चप्पल दोनों शरीर के दो ध्रुव हैं। एक ऊपर तो एक नीचे रहता है। वैसे वास्तविक ध्रुव कभी एक-दूसरे से नहीं मिलते। लेकिन यह शिकायत सिर और चप्पल के मामले में नहीं है। यकीन न हो तो किसी को गरिया कर देखिए, कसम मेरे खुद के तजुर्बे की, कि चप्पल का सिर के साथ मिलाप न हुआ तो मैं अपना नाम बदल लूँगा। चूँकि अनुभव की पाठशाला में रट्टाचंद अक्सर फेल हो जाते हैं। इसलिए मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मुझे नाम बदलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आज सुबह-सुबह मेरा सिर फिर गया। फिराने वाला कोई और नहीं चप्पल था। ऐन मौके पर किस्मत और चप्पल हाथ देने के लिए जाने जाते हैं। अब क्या बताऊँ मेरी चप्पल क्या टूटी दूर से देखने वालों के लिए लंगड़ा घोड़ा बनाकर रख दिया। चाहे तो मैं लंगड़ा घोड़ा बनने से बच सकता था, लेकिन चप्पल को हाथ में पकड़ना अपनी शान के खिलाफ समझता था। मैं नौकरी न दे सकने वाले रद्दी सर्टिफिकेट तो पकड़ सकता हूँ, लेकिन चलने, घूमने-फिरने में काम आने वाली टूटी चप्पल नहीं पकड़ सकता। कितना भी हो मैं भी तो अपने सपनों का राजा हूँ। अब भला राजा चप्पल ढोएगा तो अच्छा लगेगा? नहीं न? इसीलिए अपनी फूटी किस्मत को गरियाते और टूटी चप्पल को घसियाते पहुँच पड़े मोची की दुकान पर। मैं था बड़ी जल्दी में, सो मैंने चप्पल मोची को थमाते हुए इतना भर कहा जरा भगवान के लिए जल्दी से सी दो। मुझे क्या पता वह नास्तिक था।

फटाफट खबरें

चालक नियाज अभी है रिमांड पर, सपा जिला महासचिव फराज खान फरार- निखत को भेजा फिर जेल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जेल में बन्द विधायक अब्बास अंसारी की बेगम निखत बानो अंसारी की तीन दिन की रिमांड पूरी होने पर उसे जिला कारागार रगौली में दाखिल कर दिया है। निखत बानो से रिमांड कस्टडी में पुलिस ने लगातार तीन दिन तक लम्बी पूंछताछ की है। मामले की जांच कर रही एसआईटी ने पूंछताछ में निखत से खासी जानकारी लेने के साथ ही सबूत जुटाये हैं।

सोमवार को निखत बानो अंसारी को पिछले दस फरवरी को जेल में छापेमारी कर डीएम-एसपी ने जिला कारागार के भीतर बिना एंट्री पति से मुलाकात के मामले में गिरफ्तार किया था। निखत की गिरफ्तारी के बाद पति विधायक अब्बास अंसारी को कासगंज जेल भेज दिया गया। विवेचक सीओ सिटी हर्ष पाण्डेय ने निखत व चालक नियाज को रिमांड में लेने को कोर्ट में अर्जी दी थी। कोर्ट ने निखत बानो को तीन व चालक को पांच दिन के रिमांड में पुलिस को सौंपने के आदेश दिये थे। 17 फरवरी को सवेरे दस बजे से अपरान्ह साढे तीन बजे दोनों को जिला कारागार से रिमांड कस्टडी में लिया था। दोनों को पूंछताछ को कडी सुरक्षा में पुलिस लाइन में रखा गया था। पुलिस को काफी हद तक दोनों से अहम जानकारी मिली है।

पूरे मामले की जांच कर रही एसआईटी ने मददगारों के नाम भी चिन्हित कर लिए हैं। निखत बानो की रिमांड अवधि सोमवार को सवेरे दस बजे पूरी होने पर उसे शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाकर मेडिकल परीक्षण कराकर जिला कारागार में दाखिल कर दिया। चालक नियाज की रिमांड अभी पूरी नहीं हुई। उसे अभी दो दिन तक पुलिस रिमांड में लिए हुए है।

इधर, पुलिस ने रिमांड में पूंछताछ में सपा जिला महासचिव फराज खान का नाम सामने आने पर उसके घर में छापेमारी की है। फराज खान के फरार होने पर पुलिस उसके पिता मुन्ने खां को पूंछताछ को रविवार को कोतवाली कर्वी ले आई है। अभी तक फराज खान पुलिस की पकड से दूर है। बताते हैं कि फराज खान बहुत ही काइयां किस्म का है। वह बेशर्मी की सभी हदें पार कर फरार है।

आवास के लिए दर-दर भटक रही विधवा महिला

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले में छह वर्षों से एक विधवा महिला प्रधानमंत्री आवास के लिए दर-दर की ठोकरें खा रही है। प्रधानमंत्री आवास तो आ गया, लेकिन दलालों को कुछ न देने से उसका प्रधानमंत्री आवास कटवा दिया गया। महिला के पति की मृत्यु पांच साल पहले हो गई थी। महिला का घर तेज आंधी-तूफान में ढह गया था। इससे वह लगातार आवास के लिए परेशान है।

सोमवार को विधवा महिला उर्मिला देवी शोभा सिंह पुरवा के कसहाई गांव की रहने वाली है। महिला ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास के लिए वह पूर्व राज्यमंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय के पास भी गई थी। चन्द पैसे न मिलने से दलालों ने महिला का आवास गायब करा दिया। महिला ने बताया कि उसके आवास की लिस्ट 2022 में आ गई थी। कई बार अधिकारियों और प्रधान से कहते-कहते थक गई, लेकिन उसे चन्द पैसें की लालच में प्रधान व संबंधित अधिकारी ने आवास नहीं दिया।

आखिर में अब कहते हैं कि उसका आवास नगर पालिका में चला गया है। जब महिला ने नगर पालिका में पता किया तो वहां के अधिकारियों ने कहा कि उसका घर ग्राम पंचायत में है। अब महिला को सभी लोग इसी तरह घुमा रहे हैं। महिला झोपडी में रहने को आज भी मजबूर है। इस बाबत पूंछे जाने पर अधिकारी सवाल से कन्नी काटते नजर आये।

कर्वी कोतवाल बने दीपेन्द्र सिंह

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला ने राजापुर थानाध्यक्ष रहे दीपेन्द्र सिंह को कर्वी कोतवाल बनाया है। भास्कर मिश्रा को राजापुर का थानाध्यक्ष बनाया है। कर्वी कोतवाल रहे अवधेश मिश्रा को पुलिस अधीक्षक कार्यालय से सम्बद्ध किया है। पुलिस अधीक्षक के इस कार्य की सभी लोग सराहना कर रहे हैं।

सोमवार को पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्षों के तबादले में ये फेरबदल किया है। इसी क्रम में एडीएम कुंवर बहादुर सिंह व एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी ने राजापुर तहसील सभागार में एसडीएम प्रमोद कुमार झां की मौजूदगी में समाधान दिवस में फरियादियों की समस्यायें सुनीं। समस्या सुनकर जल्द निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद से संबंधित मामलों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम मौके पर जाकर समस्याओं का निस्तारण करें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसीलदार राजापुर संजय अग्रहरि, नायब तहसीलदार पुष्पेन्द्र गुप्ता व राजस्व तथा पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। भरतकूप थाने के दरोगा इमरान खान की टीम ने दहेज हत्या के मामले में भोला यादव पुत्र स्व रामा यादव निवासी मर्का जिला बांदा को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

देवरिया : गैंगरेप में पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा, युवती ने की पहचान

देवरिया । भाटपाररानी रेलवे स्टेशन परिसर स्थित एक ढाबा पर दिल्ली से आई एक युवती के साथ मनबढ़ युवकों ने गैंगरेप कर दिया। युवती को खून से लथपथ स्थिति में स्टेशन के प्लेटफार्म पर छोड़ कर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस ने युवती को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछ ताछ कर रही है। बिहार के पश्चिमी चम्पारण जिले के बेतिया थाना क्षेत्र के रहने वाली एक युवती का परिवार दिल्ली के मयूर बिहार में रहता है। उसके पिता वहां पर का कार्य करते है। युवती शनिवार को गांव के ही एक दोस्त युवक के साथ गांव जाने के लिए निकली। गांव पर उसकी मौसी रहती है। रविवार की शाम को गोरखपुर-सीवान पैसेंजर में सवार होकर दोनों गंतब्य तक जाने के लिए निकले। रास्ते में दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

रात में पैसेंजर ट्रेन भाटपाररानी रेलवे स्टेशन पर उतर गई। इसी बीच एक कर्मचारी ने उसे स्टेशन मास्टर के कार्यालय के समीप लाइट में बैठने को कहा। उसी दौरान युवती को अकेले देख कुछ युवक वहां पहुंचे और उसे भोजन कराने सुलाने के बहाने बहला-फुसला कर परिसर में स्थित एक ढाबा में ले गए। वहां ढाबा चलाने वाले युवक ने अपने दोस्त के साथ मिलकर उस युवती के साथ गैंगरेप किया। दरिंदगी से युवती बेहोश हो गई तो उसे उठाकर स्टेशन के प्लेटफार्म पर ले जाकर एक बेंच पर सुला दिया।

स्टेशन मास्टर ने इसके बारे में भाटपाररानी थाने में तैनात एक दरोगा को और भटनी जीआरपी को सूचना दिया। सूचना पर भाटपाररानी पुलिस सक्रिय हुई और युवती को इलाज के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र पर ले गई। युवती की प्राथमिक उपचार करने के बाद स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने मेडिकल कालेज देवरिया रेफर कर दिया गया। भाटपाराराणी पुलिस ने इसके बारे में युवती के परिजनों व रिश्तेदारों को जानकारी दी।

डीएम ने बीडीओ को कारण बताओ नोटिस देकर जेई को दी प्रतिकूल प्रविष्टि

डीएम ने औचक देखे निर्माण कार्य

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने अटल भू-जल योजना के तहत मानिकपुर ब्लाक के खिचरी व रामपुर तरौंहा गांव के मजरा तख्तूपुर के तालाबों पर कराये निर्माण कार्य एवं मानिकपुर में निमार्णाधीन ड्रग वेयर हाउस का औचक निरीक्षण किया।

सोमवार को जिलाधिकारी ने खिचरी गांव के साहनी तालाब का निरीक्षण कर मानकविहीन कार्य मिलने पर बीडीओ को कारण बताओ नोटिस एवं अवर अभियंता लघु सिंचाई को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तालाब के निर्माण में हो रही सामग्री का नमूना लेकर मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि इसकी जांच करायें। गुणवत्ता में कमी मिलने पर ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही करें। घाट निर्माण में फिनिशिंग सही न होने पर दुरुस्त कराने के निर्देश दिये। तालाब की अच्छी तरह से साफ-सफाई करायें। पाथवे के किनारे दीवारों के निर्माण में लगी ईंट व बालू का प्रयोग सही नहीं किया गया है। इसे तोड़कर दोबारा बनवायें।

जिलाधिकारी ने रामपुर तरौंहा के मजरा तख्तूपुर में रौहानी तालाब के निरीक्षण में इंटरलॉकिंग, पाथवे, रैम्प, घाट आदि देखे। बीडीओ को निर्देश दिए कि इस तालाब को अच्छी तरह से सजाएं। यह आबादी के अंदर का तालाब है। यहां पर अच्छी तरह से लाइटिंग, बैठने का स्थान बनाया जाए। जो शासकीय जमीन तालाब के बगल में खाली पड़ी है, उसका उप जिलाधिकारी मानिकपुर से संपर्क कर चिन्हांकन कराकर पार्क की भी व्यवस्था सुनिश्चित करायें।

जिलाधिकारी ने मानिकपुर में निमार्णाधीन ड्रग वेयरहाउस के निरीक्षण में परियोजना प्रबंधक सीएनडीएस ने बताया कि मुख्य बिल्डिंग का कार्य लगभग पूरा हो गया है। फिनिशिंग का कार्य चल रहा है। जिसमें कोल्ड चयन रूम, स्टोर रूम, ग्राउंड फ्लोर आदि का निर्माण नवंबर 2022 तक पूर्ण हो जाना चाहिए, लेकिन शासन से धनराशि न मिलने से कार्य में विलंब हुआ है। जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अब पूरी धनराशि इस कार्य की प्राप्त हो गई है। अप्रैल माह तक प्रत्येक दशा में कार्य पूरा कराया जाए।

निरीक्षण में मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, उप जिलाधिकारी मानिकपुर प्रमेश श्रीवास्तव, खंड विकास अधिकारी मानिकपुर धनंजय सिंह, ब्लाक प्रमुख मानिकपुर अरविंद मिश्रा आदि मौजूद रहे।

सोमवती अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने मंदाकिनी में लगाई डुबकी

पीपल पेड की परिक्रमा लगाती महिलायें-कामतानाथ की परिक्रमा करके महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सोमवती अमावस्या और वट सावित्री व्रत के संयोग के बीच जिले में श्रद्धालुओं ने मंदाकिनी में डुबकी लगाकर भगवान कामतानाथ के दर्शन-पूजन कर परिक्रमा लगाई। सौभाग्यवती महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा कर भगवान से पति की दीघार्यु की प्रार्थना की। यह 2023 की पहली सोमवती अमावस्या है।

सोमवार को भगवान राम की तपस्थली चित्रकूट में यूं तो हर माह की अमावस्या पर श्रद्धालुओं का मेला लगता है। इस बार सोमवार को सोमवती अमावस्या और वट सावित्री व्रत के संयोग के कारण यहां आस्थावानों का सैलाब उमड़ा। लाखों की तादाद में श्रद्धालु रविवार की शाम से ही चित्रकूट पहुंचने लगे थे। सोमवार को लोगों ने पुण्य सलिला मंदाकिनी में स्नान किया। भगवान कामतानाथ के दर्शन-पूजनकर कामदगिरि पर्वत की प्रदक्षिणा की। सोमवती अमावस्या और वट सावित्री व्रत होने के कारण बड़ी संख्या में महिलाएं भी कामतानाथ की नगरी पहुंची।

उन्होंने वट वृक्ष की पूजा कर व्रत-पूजन विधान पूर्ण ढंग से किया। मत्स्यगवेन्द्रनाथ स्वामी के दर्शन और जलाभिषेक के लिए भी लंबी कतारें लगी हुई हैं। श्रद्धालु कामदगिरि पर्वत की प्रदक्षिणा आस्था और उत्साह के साथ कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन और पुलिस की तरफ से तमाम इंतजाम किए गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों तथा पुलिस कर्मियों को जगह-जगह तैनात किया गया है। पेयजल, मेडिकल आदि सुविधाओं का प्रबंध जगह जगह किया गया है। एसडीएम राज बहादुर ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। अनुमान है कि सोमवती अमावस्या पर चित्रकूट में दर्शन-पूजन और परिक्रमा लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पांच लाख तक हो सकती है। कामदगिरि की परिक्रमा लगाने के लिए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, दिल्ली व विदेशों से भी श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि कामदगिरि की परिक्रमा करने से श्रद्धालुओं की सभी मन्नतें पूरी होती हैं।

डीएम-एसपी ने मौके पर टीम भेजकर समस्या निस्तारण के दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द व पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला की मौजूदगी में जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। उप जिलाधिकारी से कहा कि भूमि विवाद से सम्बन्धित मामलों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम मौके भेजकर निस्तारण करायें।

सोमवार को तहसील सभागार मानिकपुर में जिलाधिकारी ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशानुसार समय सीमा के भीतर समस्याओं का निस्तारण करायें। जिस समस्या का निस्तारण कराया जाए, उसके बाबत संबंधित व्यक्ति को भी अवगत कराएं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, उपजिलाधिकारी मानिकपुर प्रमेश श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक ऋषिमुनि उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी आरके त्रिपाठी, जिला पंचायत राज अधिकारी कुमार अमरेन्द्र, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ इम्तियाज, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ सुभाष चंद्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लव प्रकाश यादव, अधिशासी अधिकारी मानिकपुर राम आशीष वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार, खंड विकास अधिकारी मानिकपुर धनंजय सिंह समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मालिक की हत्या में आरोपित दम्पती गिरफ्तार

मथुरा। मालिक ने पत्नी पर गलत नजर डालने पर गुस्साए नौकर ने मालिक पर तावे का प्रहार कर उसको मौत के घाट उतार दिया। सोमवार दोपहर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने वृंदावन स्थित चैतन्य विहार कॉलोनी में 16 फरवरी को वृद्ध की हत्या मामले में सनसनीखेज खुलासा किया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपित दम्पत्ति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की गई स्कूटी और नगदी बरामद कर ली है।

सोमवार दोपहर एसएसपी शैलेष कुमार पांडेय ने बताया कि 16 फरवरी की रात चैतन्य विहार कॉलोनी निवासी राधेश्याम अग्रवाल की हत्या कर दी गई थी। अलमारी में रखी नगदी और घर की स्कूटी गायब थी। मामले में नाती कृष्णा अग्रवाल ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस फॉरेंसिक टीम की मदद से घटना की जांच कर रही थी। हत्या के बाद से घर के कामकाज के लिए नौकरी पर रखा गया सोनू रैकवार और उसकी पत्नी गंगा उर्फ गायत्री निवासी नोहटा गांव, थाना नोहटा, जिला दमोह (मध्य प्रदेश) फरार थे।

पुलिस पूछताछ में सोनू ने बताया कि राधेश्याम उसकी पत्नी पर गलत नजर रखता था। इसके लिए उसने राधेश्याम को पहले समझाया था लेकिन वह नहीं माना। इसी को लेकर रोटी बनाने वाले तवा से उसके सिर पर प्रहार कर हत्या कर दी। इसके बाद घर में रखे पचास हजार रुपये और स्कूटी लेकर दोनों फरार हो गए।

एसपी सिटी एमपी सिंह ने बताया कि पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए फरीदाबाद, राजस्थान और मध्य प्रदेश में दबिश दे रही थी। बीती रात सोनू और गंगा को पकड़ने में पुलिस सफल रही। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 27 हजार पांच सौ रुपये और स्कूटी बरामद की है। आरोपितों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल (तवा) भी बरामद कर लिया है।

कानून से बड़े हैं खनिज माफिया

-थाने के सामने से गुजरते ओवरलोड बालू लदे ट्रक-मन्त्री के फोन पर अफसरों के फूलते हाथ-पैर

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले में लम्बे समय से अवैध खनन में लिप्त तीरधुमाई गंगू घाट के लोगों पर सख्त कार्रवाई न होने से खनन माफिया कानून से बड़े साबित हो रहे हैं। प्रशासन है कि अवैध खनन कर रहे दो-चार लोगों पर कार्रवाई कर खुद अपनी पीठ थपथपा लेता है, जबकि अवैध खनन में लिप्त बड़े लोगों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। थाने के सामने से बालू लदे ओवर ट्रक ऐसे गुजरते हैं, जैसे कानून की उन्हें कोई परवाह नहीं है।

ज्ञात है कि जिले में लम्बे समय से तीरधुमाई गंगू घाट के खनन माफिया खनिज सामग्री से गुण्डा टैक्स वसूली व अवैध खनन का कार्य धड़ल्ले से करते रहे हैं। ऐसे लोग अभी भी अवैध खनन का कार्य बड़े पैमाने पर कर रहे हैं। इन लोगों ने अवैध खनन को वैध रूप देने को एकाध स्थानों पर लीज व अनुमति भी हासिल कर ली है। खनन में ऐसे लोगों के हाथ इतने मजबूत हैं कि उन पर हाथ डालने से पहले सूबे के एक दबंग व असरदार मन्त्री का फोन तत्काल अफसरों तक पहुंच जाता है। ऐसे में हाथ डालने वाले खुद पीछे हट जाते हैं, तब ऐसे लोग और तेजी से कानून व्यवस्था को मुंह चिढ़ाने को अवैध खनन में जुट जाते हैं।

इस बाबत लगातार खबरों के प्रकाशन से डीएम अभिषेक आनन्द के निर्देश पर अधिकारी हरकत में तो आये हैं, लेकिन कानून व्यवस्था को मुंह चिढ़ाने वालों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। छुटभैये किस्म के अवैध खनन में लिप्त लोगों को पकड़कर अफसर अपनी पीठ खुद अवश्य थपथपाते देखे जा रहे हैं, जबकि तीरधुमाई गंगू घाट ग्रुप के खनन माफिया खनिज विभाग में ऐसे कुछेक लोग तीरधुमाई गंगू घाट ग्रुप के खनिज माफियाओं से सीधे मिले हैं। ऐसे लोग धड़ल्ले से अवैध खनन कराकर मालामाल हो रहे हैं। जिला प्रशासन ऐसे लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। जाहिर है कि अवैध खनन में लिप्त ये लोग कानून से बड़े साबित हो रहे हैं। तीरधुमाई गंगू घाट से इन दिनों भारी पैमाने पर खनन हो रहा है। यहां बालू लादकर आने वाले ट्रक आठ सौ से एक हजार घन मीटर तक लोडिंग कर थाने के सामने से धड़ल्ले से गुजरते हैं, जबकि ओवरलोड पर हाईकोर्ट के सख्त आदेश हैं। ऐसे लोगों पर कोई कार्रवाई न होने से जाहिर है कि उन्हें कानून की कोई परवाह नहीं है। बैठते हैं, जैसे ये विभाग उनकी रियासत हो। सम्बन्धित अधिकारी व बाबू उनके सामने पानी भरते नजर आते हैं। जिले में बालू खनन का खनिज विभाग ने तीरधुमाई गंगू घाट का पट्टा दिया है। इनमें

निवर्तमान कार्यकारिणी ने दिया आय व्यय का ब्यौरा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन की निर्वाचित नई कार्यकारिणी के साथ बार के पदाधिकारियों ने परिचय बैठक की और पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन भूकंप प्रभावित तुर्किये पहुंचे

इस्तांबुल। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भूकंप प्रभावित तुर्किये की यात्रा पर पहुंचे। वह तुर्किये के विदेश मंत्री मेव्लुट कावुसोग्लू के साथ भूकंप प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर रवाना हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लिंकन और मेव्लुट अदाना के पास स्थित नसिर्लिक सैन्य हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर द्वारा निकट के हेते प्रांत के लिए रवाना हुए, जो छह फरवरी को आए विनाशकारी भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। दो साल पहले पदभार ग्रहण करने के बाद से ब्लिंकन तुर्किये की अपनी पहली यात्रा पर हैं। तुर्किये के अधिकारियों ने बताया कि ब्लिंकन हेते में भूकंप के कारण विस्थापित हुए लोगों के लिए स्थापित टेंट सिटी का दौरा करेंगे। उन्होंने बताया कि वह एक सहायता वितरण शिविर का भी जायजा लेंगे। उल्लेखनीय है कि भूकंप के कारण सीरिया और तुर्किये में कम से कम 44,000 लोगों की मौत हो गई।

भारत के प्रथम सीडीएस जनरल रावत की याद में नेपाल के मुक्तिनाथ धाम में घंटी चढ़ाई गई

काठमांडू। नेपाल के दौरे पर आए भारत के चार पूर्व सेना प्रमुखों ने अपने देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत की स्मृति में मुक्तिनाथ धाम में घंटी चढ़ाई। मुक्तिनाथ के दर्शन के बाद घंटियां चढ़ाने की परंपरा है। मुक्तिनाथ धाम नेपाल के उत्तरी जिले मुस्तांग में स्थित है। यह इलाका चीन से लगी सीमा के पास रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। मुक्तिनाथ धाम को हिंदुओं और बौद्धों दोनों के लिए एक पवित्र तीर्थ स्थल माना जाता है।

भारत के पूर्व सेना प्रमुख जनरल विश्वनाथ शर्मा, जनरल जोगिंदर जसवंत सिंह, जनरल दीपक कपूर और जनरल दलवीर सिंह सुहाग के साथ नेपाल के पूर्व सेना प्रमुख जनरल पीएस राणा, जनरल पी. जंग थापा और पीसी थापा भी मुक्तिनाथ गए थे। नेपाल सेना के प्रवक्ता कृष्ण प्रसाद भंडारी ने बताया कि मुक्तिनाथ के दर्शन के लिए भारत के पूर्व जनरलों के अलावा नेपाल के पूर्व जनरल भी साथ गए थे। मुक्तिनाथ के दर्शन के बाद भारत के चार पूर्व सेना प्रमुखों और नेपाल के पूर्व जनरल ने दिवंगत जनरल बिपिन रावत की याद में घंटी चढ़ाई। जनरल बिपिन रावत का दिसंबर 2021 में हेलिकॉप्टर हादसे में निधन हो गया था। इससे मुक्तिनाथ जाने की उनकी इच्छा अधूरी रह गई थी। सेना प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद जनरल रावत देश के प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) बने थे इसी तरह, नेपाली सेना द्वारा आयोजित आर्मी कॉन्क्लेव में भारत और नेपाल के पूर्व जनरलों ने भाग लिया। सेना के प्रवक्ता भंडारी के अनुसार भारत के पूर्व सेना प्रमुखों को नेपाली सेना के पूर्व मानद महारथी के रूप में आर्मी कॉन्क्लेव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ने कहा- आर्थिक संकट के लिए सेना जिम्मेदार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने देश को दिवालिया बताते हुए मौजूदा आर्थिक संकट के लिए सेना, नौकरशाही और नेता जिम्मेदार ठहराया है। यह बात उन्होंने अपने गृह नगर सियालकोट में एक कार्यक्रम में कही। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक रक्षामंत्री ने कहा है कि पाकिस्तान तो पहले ही दिवालिया हो चुका है। उन्होंने कहा कि सेना, नौकरशाही और राजनीतिक नेताओं समेत हर कोई मौजूदा आर्थिक बदहाली के लिए जिम्मेदार है। पाकिस्तान में कानून और संविधान का पालन नहीं किया जाता। हमारी समस्याओं का समाधान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास नहीं, देश के भीतर ही है।

अफ्रीकी यूनियन ने इजराइल का प्रेक्षक दर्जा छीना, राजदूत को निकाला बाहर

अदीस अबाबा। अफ्रीकी यूनियन ने इजराइल का प्रेक्षक दर्जा छीन लिया है। इसके साथ ही अफ्रीकी यूनियन के सम्मेलन से इजराइली राजदूत व प्रतिनिधिमंडल को बहार निकाल दिया गया। इजराइल ने ईरान पर साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा है कि अल्जीरिया और दक्षिण अफ्रीका की मदद से उसका प्रेक्षक दर्जा छीना गया।

वर्ष 2021 में अफ्रीकी यूनियन ने इजराइल को प्रेक्षक का दर्जा दिया था। उस समय भी प्रिटोरिया सहित कई देशों ने इसका विरोध किया था, किन्तु इजराइल ने इसे अपनी बड़ी कूटनीतिक सफलता माना था। पिछले वर्ष हुई अफ्रीकी यूनियन की बैठक में एक बार फिर इजराइल का प्रेक्षक दर्जा छीनने की मांग की गयी थी,

किन्तु तब इसे खारिज कर दिया था। अब अफ्रीकी यूनियन कमीशन के प्रमुख मौसा फाकी महामत ने बताया कि अगले आदेश तक इजराइल के प्रेक्षक दर्जे को बर्खास्त कर दिया गया है। अब अफ्रीकी यूनियन की विशेष समिति इस पर चर्चा करके फैसला लेगी। इस फैसले के बाद इजराइल को अफ्रीकी यूनियन के सम्मेलन से भी बाहर कर दिया गया।

इथोपिया की राजधानी अदीस अबाबा स्थित अफ्रीकी यूनियन के असेंबली हॉल से इजराइल के विदेश मंत्री व प्रतिनिधिमंडल के अन्य साथियों को बाहर निकाल दिया गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सुरक्षा कर्मी इन लोगों को बाहर ले जाते दिख रहे हैं। अफ्रीकी यूनियन के इस कदम पर इजराइल ने नाराजगी जताई है। इजराइल ने आरोप लगाया है कि अफ्रीकी यूनियन को अल्जीरिया और दक्षिण अफ्रीका द्वारा बंधक बना लिया गया। इजराइल ने इन सब पर ईरान के नियंत्रण की बात कही है।

पाकिस्तान में चुनाव के मुद्दे पर आयोग का राष्ट्रपति से चर्चा करने से इनकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा विधानसभाओं के चुनाव तारीखों पर विचार-विमर्श के लिए राष्ट्रपति डॉ आरिफ अल्वी के साथ बैठक करने से इनकार कर दिया। आयोग ने इसकी वजह बताई कि यह मामला विचाराधीन है। यह रिपोर्ट पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डान ने आज (सोमवार) अपनी वेबसाइट पर अपलोड की है। डान की रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग ने इस संबंध में राष्ट्रपति के सचिव को पत्र भेजा। इस पत्र पर आयोग के सचिव उमर हामिद खान के हस्ताक्षर हैं। इस पत्र में कहा गया है कि यह मामला विभिन्न न्यायिक मंचों के समक्ष लंबित है। इस वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त, राष्ट्रपति से नहीं मिल सके।राष्ट्रपति से परामर्श के संबंध में अंतिम निर्णय आयोग सोमवार को अपनी बैठक में लेगा। पत्र में साफ किया गया है कि राष्ट्रपति अल्वी के मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा को तत्काल बैठक के लिए आमंत्रित करने का पत्र आयोग के समक्ष विचार के लिए रखा गया। इस पर विचार-विमर्श के बाद आयोग ने अधोहस्ताक्षरी को यह बताने का निर्देश दिया है कि आयोग अपने संवैधानिक और कानूनी दायित्वों से अच्छी तरह वाकिफ है। इससे पहले के पत्र का आठ फरवरी को जवाब दिया जा चुका है।

अमेरिका संग दक्षिण कोरिया का सैन्य अभ्यास, उत्तर कोरिया ने दागीं दो और बैलेस्टिक मिसाइल

वाशिंगटन/ सियोल/ प्योंग्यांग। अमेरिका व दक्षिण कोरिया की जुगलबंदी उत्तर कोरिया को बर्दाश्त नहीं हो रही है। यही कारण है कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया ने दो और बैलेस्टिक मिसाइल दाग दी हैं। दक्षिण कोरिया की सेना इस समय अमेरिका के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रही है। उत्तर कोरिया इस सैन्य साझेदारी का विरोध कर रहा है। दक्षिण कोरिया की सेना के अनुसार अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने बम गिराने का संयुक्त अभ्यास किया। दक्षिण कोरियाई सेना के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि सैन्य अभ्यास के दौरान दक्षिण कोरिया के एप-35ए स्टील्थ लड़ाकू विमानों और एफ-15के जेट विमानों ने अमेरिका के एफ-16 लड़ाकू विमानों के साथ उड़ान भरी। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करते हुए दक्षिण कोरिया की सेना

अमेरिका के साथ करीबी सहयोग के लिए पूरी तरह से तैयार है। अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सेना के संयुक्त अभ्यास के बीच ही उत्तर कोरिया ने दो बैलेस्टिक मिसाइल दागकर जवाब दिया है। 48 घंटे के भीतर उत्तर कोरिया ने दूसरी बार बैलेस्टिक मिसाइल दागी है। इससे पहले उत्तर कोरिया ने अब तक की सबसे ताकतवर मिसाइल दागकर दक्षिण कोरिया और अमेरिका को चुनौती दी थी। दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया के सुखोन क्षेत्र से सुबह 7:00 बजे से 7:11 बजे के बीच दो बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण का पता लगाया। इससे पहले उत्तर कोरिया ने 18 फरवरी को इंटरकॉन्टिनेंटल बेलेस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन कर अमेरिका व दक्षिण कोरिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास रोकने की बात कही थी।

तुर्किये में भूकंप से मरने वालों की संख्या 40 हजार के पार, नौ प्रांतों में बचाव कार्य समाप्त

इस्तांबुल। तुर्किये में आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 40,689 हो गई है। वहीं, मलबे में लोगों की तलाश और बचाव का प्रयास अपने अंत की तरफ बढ़ना शुरू हो गया है। भूकंप प्रभावित 11 में से नौ प्रांतों में बचाव का काम समाप्त हो चुका है। फिलहाल तोडफ़ोड़ करने वाला दल मलबे के ढेर को हटाने के काम में जुट गया है। अब तक तुर्किये और सीरिया में मृतकों की सम्मिलित संख्या बढ़कर 44,337 हो गई है।

तुर्किये में भूकंप के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 40, 689 हो गई है। यह जानकारी देश की आपदी एजेंसी एएफएडी के प्रमुख यूनुस सेजर ने दी। मृतकों की संख्या में तक के आंकड़े के मुकाबले 47 की बढ़ोतरी हुई है। सेजर ने अंकारा में कहा कि भूकंप से प्रभावित 11 में से नौ प्रांतों में तलाश और बचाव का काम समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि भूकंप का केंद्र रहे

> मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इनमें से 20,662 इमारतें ढह गईं। नष्ट हुई इमारतों में 3,84,500 से अधिक इकाइयां थीं, जिनमें ज्यादातर आवासीय अपार्टमेंट थे।

रामनमारस और हतय में अभियान अभी जारी है। उन्होंने कहा कि दो प्रांतों में बचाव अभियान जारी है लेकिन मलबे से किसी के जीवित निकाले जाने के कोई संकेत नहीं हैं। इसके पहले एक परिवार के तीन सदस्यों- मां, पिता और 12 वर्षीय बेटे को हतय में ध्वस्त इमारत के मलबे से निकाला गया था, लेकिन बेटे की बाद में मौत हो गई थी। तुर्किये आपदा प्रबंधन ने कहा कि शुरुआती भूकंप के बाद करीब 6,040 आफ्टरशॉक (मुख्य भूकंप के बाद के झटके) ने 11 प्रांतों को प्रभावित किया। शुरुआती भूकंप की तीव्रता 7.8 थी, लेकिन इसके नौ घंटों बाद 7.5 तीव्रता का झटका आया। एएफएडी के महा प्रबंधक ओरहान तातर ने कहा कि बाद में पांच से छह तीव्रता के 40 झटके (ऑफ्टरशॉक) आए जबकि 6.6 तीव्रता वाले बाद के झटके की संख्या एक थी।

उन्होंने द्वितीयक आपदाओं जैसे कि भूस्खलन और चट्टान खिसकने को लेकर चेताया है। तुर्किये के पर्यावरण और शहरीकरण मंत्रालय की ओर से की गई जांच में करीब 105,794 इमारतें तबाह हो गई हैं या इतना बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई हैं कि उन्हें ध्वस्त करने की जरूरत है।

ब्राजील में बाढ़, भूस्खलन का कहर, 24 से अधिक लोगों की मौत

ब्राजिलिया। ब्राजील में बाढ़ और भूस्खलन का कहर जानलेवा साबित हो रहा है। इस कारण 24 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सर्वाधिक प्रभावित राज्य साओ पाउलो को सार्वजनिक आपदाग्रस्त घोषित कर दिया गया है। साथ ही दो प्रमुख शहरों ने अपने वार्षिक कार्निवल को रद करने का ऐलान किया है। देश के कई शहरों में बाढ़ और भूस्खलन से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। ब्राजील का सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य साओ पाउलो सर्वाधिक प्रभावित है। यहां 24 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। जिस तरह के हालात हैं, उनमें यह संख्या बढ़ने की आशंका जताई गई है। साओ पाउलो में भी दो शहर साओ सेबस्टियाओ और बर्टिओगा सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इन दोनों शहरों ने अपने कार्निवल उत्सव

को रद कर दिया है। राज्य के सभी प्रमुख शहरों में बाढ़ में घर डूब गए हैं और केवल छतें दिखाई दे रही हैं। लोग आवाजाही के लिए नावों का प्रयोग कर रहे हैं। रियो डी जनेरियो को सैंटोस के

> ब्राजील का सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य साओ पाउलो सर्वाधिक प्रभावित है। यहां 24 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

बंदरगाह शहर से जोड़ने वाली सड़क भूस्खलन और बाढ़ से अवरुद्ध हो गई है। साओ सेबेस्टियाओ के मेयर फेलिप ऑगस्टो ने कहा कि बचाव दल लापता, घायलों और मलबे में मृत लोगों को खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कई स्थानों पर तो बचाव दल पहुंच ही नहीं पा रहे हैं। इसे अराजक स्थिति बताते हुए ऑगस्टो ने अपने सोशल मीडिया चैनलों पर अपने शहर में व्यापक विनाश के कई वीडियो पोस्ट किए हैं। जिसमें पानी भरी सड़क पर खड़े स्थानीय लोगों द्वारा एक बच्चे को बचाए जाने का वीडियो भी शामिल है। साओ पाउलो राज्य की सरकार ने एक दिन में 600 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज किए जाने की जानकारी दी है। यह एक दिन में ब्राजील में अब तक सर्वाधिक बारिश में से एक है। राज्य सरकार ने जानकारी दी है कि केवल बर्टिओगा में एक दिन में 687 मिलीमीटर बारिश हुई है। गवर्नर तारसीसियो डी फ्रीटास ने सेना से समर्थन का अनुरोध किया है। सेना इस क्षेत्र में दो हवाई जहाज व विशेष बचाव दल भेजेगी। उबातुबा, साओ सेबस्टियाओ, इल्हाबेला, कारागुआटाटुबा और बर्टिओगा शहरों के लिए एक सार्वजनिक आपदा आदेश भी जारी किया है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर की हालत नाजुक

अस्पताल से घर शिफ्ट, आखिरी समय परिवार के साथ बिताने का लिया फैसला

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर की हालत नाजुक है। वयोवृद्ध कार्टर (98) ने अपना अंतिम समय परिवार के लोगों के बीच बिताने का फैसला किया है। इसलिए लंबे समय से अस्पताल में भर्ती कार्टर को उनके घर जार्जिया शिफ्ट कर दिया गया। उनके परिवार ने इस संबंध में बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

रोजलीन इस समय 95 साल की हैं। उल्लेखनीय है कि जिमी कार्टर इस समय अमेरिका के इतिहास में सबसे अधिक उम्र तक जीवित रहने वाले राष्ट्रपति हैं। कार्टर 1977 से 1981 तक अमेरिका के राष्ट्रपति थे। 2002 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। कार्टर कुछ समय से मेलेनोमा नामक बीमारी से पीड़ित हैं। इसका संक्रमण उनके लिवर और दिमाग तक फैल चुका है। यह एक प्रकार का स्किन कैंसर है।

जिमी कार्टर जनवरी 1978 में तीन दिन के दौरे पर भारत आए थे। कार्टर का यह दौरा तब हुआ था, जब कुछ महीने पहले ही इमरजेंसी के बाद हुए चुनाव में जनता पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिली थी। जिमी कार्टर के उस दौरे से 1971 में भारत-पाकिस्तान जंग और 1974 में भारत के परमाणु परीक्षण से दोनों देशों के बीच आया तनाव कम हुआ था।

कार्टर ने हरियाणा में गुरुग्राम के गांव दौलतपुर नसीराबाद का दौरा किया था। इसके बाद गांव का नाम कार्टरपुरी रख दिया गया था। जिमी कार्टर ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई से परमाणु मसले पर चर्चा की थी। 1924 में किसान परिवार में जन्मे कार्टर 1960 में राजनीति में आए और 1971 में पहले बार अपने राज्य के गवर्नर बने। इसके ठीक छह साल बाद जिमी कार्टर ने रिपब्लिकन पार्टी के जेरालड फोर्ड को हराया

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

नेपाल में राष्ट्रपति चुनाव पर सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक दलों में टकराव बढ़ा

राष्ट्रपति उम्मीदवार को लेकर प्रचंड ने फिर दिया राष्ट्रीय सहमति पर जोर

- पूर्व प्रधानमंत्री ओली बोले- जिसे हम उम्मीदवार बनाएंगे, वही जीतेगा

काठमांडू। नेपाल में राष्ट्रपति चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, सत्ताधारी गठबंधन के दो प्रमुख घटक दलों- सीपीएन (एमसी) और सीपीएन (यूएमएल) के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रपति पद के लिए किसे नामित किया, इस पर दोनों दल अपने-अपने रुख पर अड़े हुए हैं। इस कारण गठबंधन सरकार पर भी संकट के बादल मंडराते दिख रहे हैं। प्रधानमंत्री एवं सीपीएन (एमसी) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने लोकतंत्र दिवस पर टुंडीखेल परिसर में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति चुनाव के

मसले पर व्यापक राष्ट्रीय सहमति के अपने रुख को फिर दोहराया। प्रचंड ने कहा कि देश की आज की आवश्यकता राष्ट्रीय सहमति है। दूसरी ओर, सीपीएन (यूएमएल) के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने दावा किया कि उनकी पार्टी का उम्मीदवार ही राष्ट्रपति बनेगा। ओली ने विराटनगर में पत्रकारों से कहा कि हम जिसे भी उम्मीदवार बनाएंगे वही राष्ट्रपति चुनाव जीतेगा। उम्मीदवार का नाम 25 फरवरी को सार्वजनिक किया जाएगा। ओली ने 25 दिसंबर को सीपीएन (एमसी) के साथ हुए समझौते का जिक्र कर कहा कि इसमें प्रचंड को प्रधानमंत्री और सीपीएन (यूएमएल) उम्मीदवार को राष्ट्रपति एवं प्रतिनिधि सभा का स्पीकर बनाने की बात कही गई थी। सरकार गठन के बाद सीपीएन (यूएमएल) को स्पीकर पद मिला भी, लेकिन राष्ट्रपति पद प्रचंड सीपीएन (यूएमएल) को देने के लिए तैयार नहीं हैं। हालांकि, माओवादी नेता अब कहने लगे हैं कि उन्हें इस समझौते की कोई जानकारी नहीं है।

नीति आयोग के नए सीईओ होंगे बीवीआर सुब्रहमण्यम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बीवीआर सुब्रमण्यम को नीति आयोग का नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वे परमेश्वरन अय्यर की जगह लेंगे, जिन्हें विश्व बैंक का कार्यकारी निदेशक (ईडी) नियुक्त किया गया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने सुब्रमण्यम की नियुक्ति को अपनी मंजूरी दे दी है।

कार्मिक मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आदेश के मुताबिक भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यम को नीति आयोग का सीईओ नियुक्त किया गया है। वहीं, परमेश्वरन अय्यर को विश्व बैंक का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। सुब्रमण्यम छत्तीसगढ़ कैडर के 1987 बैच के पूर्व आईएएस अधिकारी हैं।

आदेश के मुताबिक मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने सुब्रमण्यम की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तारीख से 2 साल के लिए की गई है। बीवीआर सुब्रमण्यम 30 सितंबर को सेवानिवृत्ति के बाद दो साल के अनुबंध पर भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (एमडी) के तौर पर नियुक्त थे।

मंत्रालय के आदेश में कहा है कि अय्यर 1988 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश खुल्लर की जगह लेंगे, जिन्हें उनके कैडर राज्य हरियाणा में वापस भेज दिया गया है। नीति आयोग के सीईओ के तौर पर कार्यरत अय्यर को विश्व बैंक मुख्यालय में 3 साल के लिए कार्यकारी निदेशक के तौर पर नियुक्त किया गया है। विश्व बैंक का मुख्यालय अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में स्थित है। सरकार ने अय्यर को 24 जून, 2022 को दो साल के लिए नीति आयोग का सीईओ नियुक्त किया था।